नई दिल्ली, सोमवार
9 मार्च, 2026
राजधानी
मूल्य ₹ 5.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

संजू सैमसन बने गेमचेंजर 10
गंभीर की कोचिंग में निखर रही भारतीय टीम 10

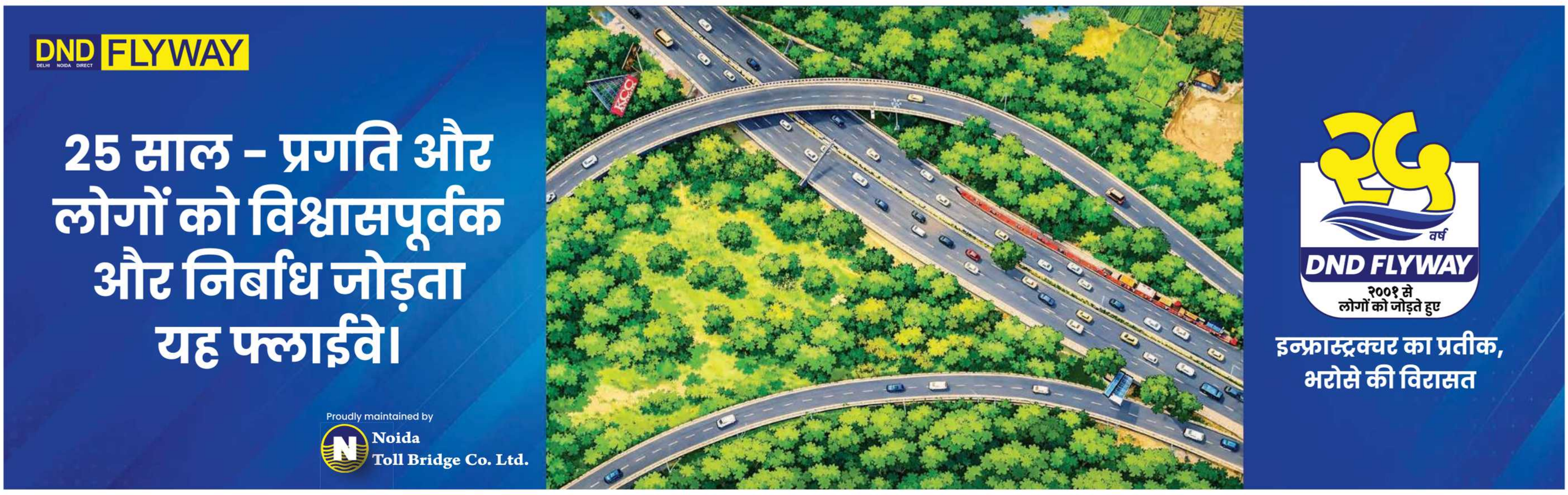

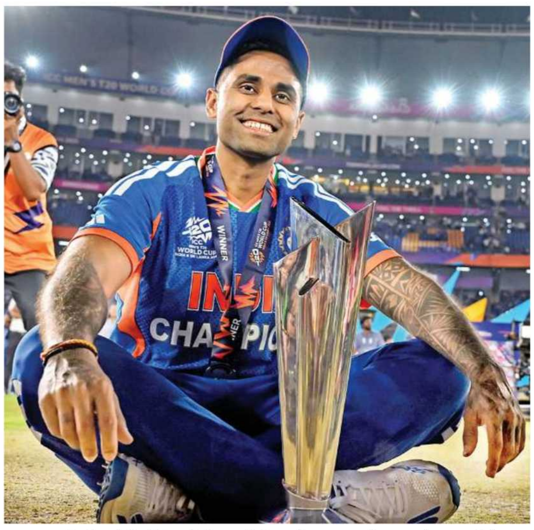

अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में रविवार को टी-20 विश्व कप का खिताब अपने नाम करने के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार ने ट्राफी के साथ पिच पर बैठकर तस्वीर खिंचवाई • एएनआइ

इतिहास बनाया भी और बदला भी

अहमदाबाद में टी-20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर भारतीय टीम बनी विश्व चैंपियन

अभिषेक त्रिपाठी • जागरण

अहमदाबाद : भारतीय टीम ने रविवार को दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में इतिहास बनाया भी और बदला भी। भारतीय टीम लगातार दो और कुल तीन टी-20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनी। यही नहीं उसने इससे पहले किसी भी टीम के घर में इस ट्राफी को नहीं जीत पाने के इतिहास को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में बदल डाला। भारतीय टीम ने आठवीं आइसीसी ट्राफी अपने नाम की। भारत की जीत के साथ ही पूरे मैदान में वंदेमातरम के साथ तिरंगे लहराने लगे। जिस मैदान पर भारत को 2023 में सबसे बड़ा दुख मिला था, तीन साल बाद वहां खुशियों का अंबार लग गया। स्टेडियम में मौजूद देश के गृह मंत्री अमित शाह खुशी से झूम उठे, मैदान में सुनील गावस्कर नाचने लगे और देश के 140 करोड़ देशवासी रोमांच में सराबोर हो गए।

2023 वनडे विश्व कप में भारत को इसी मैदान पर आस्ट्रेलिया के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा था। उसे इस बार यहां सुपर-8 के मैच में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध भी शर्मनाक हार मिली लेकिन फाइनल में संजू सैमसन (89), इशान किशन (54) अभिषेक शर्मा (52), शिवम दुबे (26) की खूंखार पारियों की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड के सामने सात विकेट पर 255 रनों का हिमालय जैसा स्कोर खड़ा किया। खराब फार्म में चल रहे अभिषेक इस मैच में शिवम का बल्ला लेकर उतरे थे तो इशान चचेरी बहन की मृत्यु के दर्द के साथ उतरे थे।

भारतीय टीम ने इसी मैदान में 2023 के फाइनल में 50 ओवर के मैच में 240 रन बनाए थे जबकि यहां 20 ओवर के मैच में उससे 15 ज्यादा रन बनाए। टास जीतने के बाद भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाने वाली कीवी टीम इस स्कोर को देखकर ही डर गई और 19 ओवर में 159 रन पर आलआउट हो गई।

संबंधित›› जागरण सिटी

भारत की आइसीसी ट्राफी

वर्ष	विरुद्ध	टूर्नामेंट
1983	वेस्टइंडीज	वनडे विश्व कप
2002	भारत-श्रीलंका (संयुक्त विजेता)	चैंपियंस ट्राफी
2007	पाकिस्तान	टी-20 विश्व कप
2011	श्रीलंका	वनडे विश्व कप
2013	इंग्लैंड, चैंपियंस	ट्राफी
2024	द. अफ्रीका	टी-20 विश्व कप
2025	न्यूजीलैंड	चैंपियंस ट्राफी
2026	न्यूजीलैंड	टी-20 विश्व कप

तीन साल में तीन ट्राफी भारत के नाम

भारतीय टीम ने लगातार तीन वर्ष में तीन आइसीसी ट्राफी जीती हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्व कप और पिछले साल न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्राफी अपने नाम की। बारबाडोस में अपने शानदार कैच से टीम को फाइनल में जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव की कप्तान के तौर पर यह पहली आइसीसी ट्राफी है। 2007 टी-20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप में खिलाड़ी के तौर पर भारत को जीत दिलाने वाले गौतम गंभीर अब भारत के ऐसे एकमात्र कोच बन गए हैं जिनके रहते हुए टीम दो आइसीसी ट्राफी जीती है।

टी-20 विश्व कप चैंपियन

वर्ष	विजेता	बनाम
2007	भारत	पाकिस्तान
2009	पाकिस्तान	श्रीलंका
2010	इंग्लैंड	आस्ट्रेलिया
2012	वेस्टइंडीज	श्रीलंका
2014	श्रीलंका	भारत
2016	वेस्टइंडीज	इंग्लैंड
2021	आस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड
2022	इंग्लैंड	पाकिस्तान
2024	भारत	द. अफ्रीका
2026	भारत	न्यूजीलैंड

*T&C apply. ^Scheme Offer valid till 31st March 2026 only & may vary based on models and other parameters. Digitally created visual. Picture of vehicle was not taken while driving. The Aero Edition kit is an accessory package to be fitted by authorized dealers based on customer preference and at additional cost.

T-CONNECT | Toyota Mobility Service Conversion | Fleet | Leasing | TOYOTA U TRUST Buy | Sell | Exchange - Used car | TOYOTA FINANCIAL SERVICES

DELHI: Espirit Toyota (Mathura Road) Ph: 7290064952, 1800-1035686; Galaxy Toyota (Moti Nagar) Ph: 011-41877777, 8448293658; Galaxy Toyota (Lajpat Nagar) Ph: 011-46577777, 9599788513; Galaxy Toyota (Shalimar Place) Ph: 011-40011111, 9599788514; Galaxy Toyota (Chattarpur) Ph: 011-66763666, 9870191014; Galaxy Toyota (Dwarka) Ph: 011-43477777, 7838193193; Galaxy Toyota (Mundka) Ph: 9599624698; Galaxy Toyota (Narela) Ph: 9999534551; Galaxy Toyota (Najafgarh) Ph: 9266753380; MGF Toyota (Raja Garden) Ph: 9289007449, 8929904428, 9311079716; Uttam Toyota (Patparganj) Ph: 9810907071; Satyam Toyota (Netaji Subhash Place, Pitampura) Ph: 9266774644; Malik Toyota (Shahdara) Ph: 9053988880, 9053988881; Faridabad: Thirty Six Toyota (Main Mathura Road) Ph: 0129-4293636, 8800333636; Thirty Six Toyota (Hodal, Main Market) Ph: 8199900183; Thirty Six Toyota (Hathin, Raja Ji Market) Ph: 7988274475; Thirty Six Toyota (Tigaon, Bhuapur) Ph: 8800790130; Thirty Six Toyota (Ballabgarh, Near Escorts Mujesar) Ph: 8800790081; Ghaziabad: Uttam Toyota (Meerut Road) Ph: 9810907071; Gr. Noida: Espirit Toyota (Kasna) Ph: 7290095001, 9654999635, 1800-1035686; Espirit Toyota (Bulandshahr) Ph: 7290095001; Espirit Toyota (Sikandrabad) Ph: 7290095001; Espirit Toyota (Jewar) Ph: 7290095001; Gurugram: IJM Toyota (Boulevard II, Sector-47, Gurugram Sohna Road) Ph: 9512295122, 9289670701; IJM Toyota (Pataudi) Ph: 9512295122; IJM Toyota (Sohna) Ph: 9512295122; MGF Toyota (MGF Mega City Mall, M.G. Road) Ph: 0124-4603333, 9289007445, 9289007446; MGF Toyota (Global Foyer Mall, Golf Course Road, Sec-43) Ph: 0124-4596800, 9289007447; MGF Toyota (Sec-50) Ph: 0124-4415566, 9289007448; MGF Toyota (Farrukh Nagar, Near Anaj Mandi) Ph: 9599121800; MGF Toyota (Manesar, Near IMT Chowk) Ph: 9599121800; Noida: Espirit Toyota (Sec-8) Ph: 7290095001, 9654999635, 1800-1035686; Uttam Toyota (Sec-63) Ph: 9810907071; Palwal: Thirty Six Toyota (Delhi-Mathura Road) Ph: 8199900187, 8199900186; Rewari: Uttam Toyota (511, Near Sector-3, South City Bypass Road) Ph: 9810907071.

नई दिल्ली, सोमवार
9 मार्च, 2026
गाजियाबाद
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

यूपी बनेगा लाजिस्टिक्स हब, 27 क्लस्टर्स देंगे अर्थव्यवस्था को गति 2
बेटियां सुरक्षित, दुराचारियों का अब चौराहे पर टिकट काट देते हैं यमदूत: योगी 2

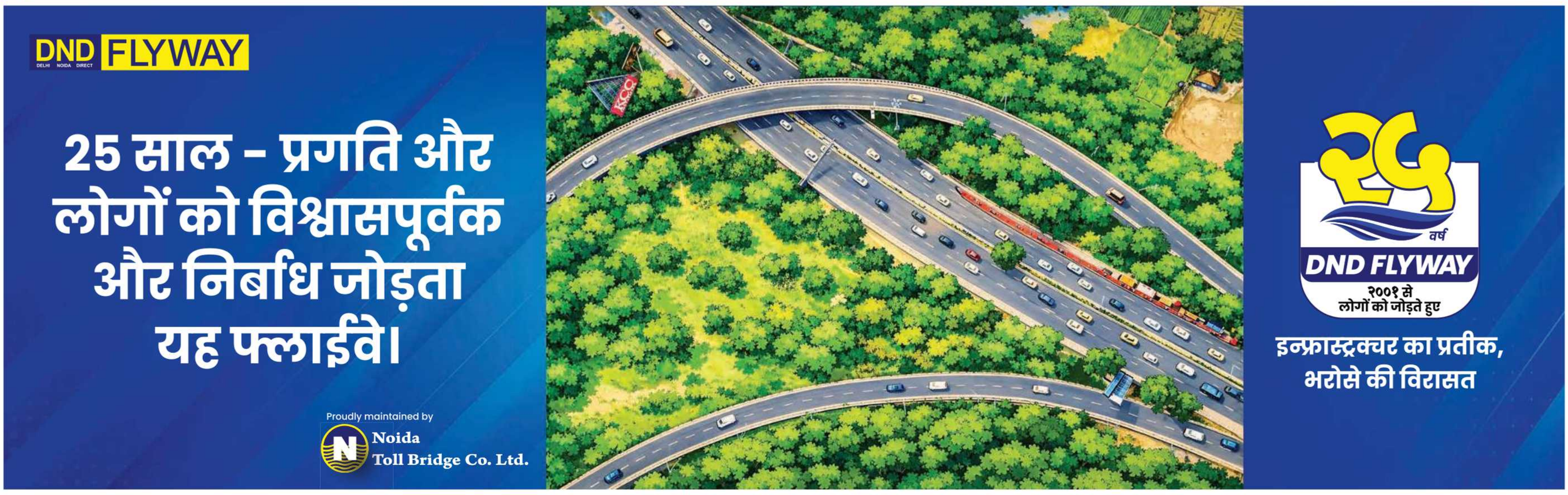

तुम पर नाज है... अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के साथ आत्मीयता से मिले और उनके संघर्ष के बाद सफलता की सराहना की ● एएफपी

इतिहास बनाया भी, इतिहास बदला भी

अहमदाबाद में टी-20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर भारतीय टीम बनी विश्व चैंपियन

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

अहमदाबाद: भारतीय टीम ने रविवार को दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में इतिहास बनाया भी और बदला भी। भारतीय टीम लगातार दो और कुल तीन टी-20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनी। यही नहीं उसने इससे पहले किसी भी टीम के घर में इस ट्राफी को नहीं जीत पाने के इतिहास को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में बदल डाला। भारतीय टीम ने आठवीं आइसीसी ट्राफी अपने नाम की। जीत के साथ मैदान में वंदेमातरम संग तिरंगे लहराने लगे। जिस मैदान पर भारत को 2023 में सबसे बड़ा दुख मिला था, दो साल बाद वहां खुशियां मिलीं।

2023 वनडे विश्व कप में भारत को इसी मैदान पर आस्ट्रेलिया के विरुद्ध बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा था। उसे इस बार यहां सुपर-8 के मैच में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध भी शर्मनाक हार मिली लेकिन फाइनल में संजू सैमसन (89), इशान किशन (54) अभिषेक शर्मा (52), शिवम दुबे (26) की खूंखार पारियों से भारत ने न्यूजीलैंड के सामने सात विकेट पर 255 रनों का हिमालय जैसा स्कोर खड़ा किया। भारतीय बल्लेबाजों की आक्रामकता का पता इस बात से चलता है कि इस टीम ने इसी मैदान में 2023 के फाइनल में 50 ओवर के मैच में 240 रन बनाए थे जबकि यहां 20 ओवर के मैच में उससे 15 ज्यादा रन बनाए। टास जीतने के बाद भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाने वाली कीवी टीम इस स्कोर को देखकर ही डर गई और19 ओवर में 159 रन पर आलआउट हो गई। भारत के लिए सबसे ज्यादा चार विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिए। अक्षर पटेल ने तीन विकेट चटकाए।

संबंधित ›› जागरण सिटी

भारत की आइसीसी ट्राफी

वर्ष	विरुद्ध	टूर्नामेंट
1983	वेस्टइंडीज	वनडे विश्व कप
2002	भारत-श्रीलंका (संयुक्त विजेता)	चैंपियंस ट्राफी
2007	पाकिस्तान	टी-20 विश्व कप
2011	श्रीलंका	वनडे विश्व कप
2013	इंग्लैंड, चैंपियंस	ट्राफी
2024	द. अफ्रीका	टी-20 विश्व कप
2025	न्यूजीलैंड	चैंपियंस ट्राफी
2026	न्यूजीलैंड	टी-20 विश्व कप

तीन साल में तीन ट्राफी

भारतीय टीम ने लगातार तीन वर्ष में तीन आइसीसी ट्राफी जीती हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्व कप और पिछले साल न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्राफी अपने नाम की। 2007 टी-20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप में खिलाड़ी के तौर पर भारत को जीत दिलाने वाले गौतम गंभीर अब भारत के ऐसे एकमात्र कोच बन गए हैं जिनके रहते हुए टीम दो आइसीसी ट्राफी जीती है।

टी-20 विश्व कप चैंपियन

वर्ष	विजेता	बनाम
2007	भारत	पाकिस्तान
2009	पाकिस्तान	श्रीलंका
2010	इंग्लैंड	आस्ट्रेलिया
2012	वेस्टइंडीज	श्रीलंका
2014	श्रीलंका	भारत
2016	वेस्टइंडीज	इंग्लैंड
2021	आस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड
2022	इंग्लैंड	पाकिस्तान
2024	भारत	द. अफ्रीका
2026	भारत	न्यूजीलैंड

T-CONNECT
Toyota Mobility Service Conversion | Fleet | Leasing
TOYOTA U TRUST Buy | Sell | Exchange - Used car
TOYOTA FINANCIAL SERVICES

DELHI: Ghaziabad: Uttam Toyota (Meerut Road) Ph: 9810907071; Gr. Noida: Espirit Toyota (Kasna) Ph: 7290095001, 9654999635, 1800-1035686; Espirit Toyota (Bulandshahr) Ph: 7290095001; Espirit Toyota (Sikandrabad) Ph: 7290095001; Espirit Toyota (Jewar) Ph: 7290095001; Noida: Espirit Toyota (Sec-8) Ph: 7290095001, 9654999635, 1800-1035686; Uttam Toyota (Sec-63) Ph: 9810907071.

// प्रणाम //

- नोएडा स्टेडियम में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन, सुबह 10:30 बजे
- सेक्टर-74 स्थित कारपेडियम क्रिकेट एसकेडमी पर असीसी और बैटबोल्ड टीम के बीच मैच, दोपहर दो बजे
- जिला अस्पताल में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अधिकारी और पदाधिकारियों की बैठक, दोपहर दो बजे
- सेक्टर-158 स्थित भवानी दत्त मैदान पर ग्रामीण और दिल्ली टीम के बीच टी-20 टूर्नामेंट का मुकाबला, दोपहर दो बजे।

दैनिक जागरण कार्यालय

स्थानीय ब्यूरो
नोएडा सेक्टर 63 डी-210, 211

प्रिय पाठकगण,
आप एक जागरूक शहरी के रूप में दैनिक जागरण अखबार व अपने समाज की आंख व कान बन सकते हैं। अपने शहर की जिन समस्याओं, मुद्दों व बातों को जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं, हमें बताएं। हम समाचार पत्र के माध्यम से आपकी आवाज को उन लोगों तक ले जाएंगे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं।
9811369901
ईमेल: dkumar@nda.jagran.com

अगर आपको अपना प्रिय समाचार पत्र दैनिक जागरण मिलने में कोई परेशानी हो रही है तो कृपया हमें जरूर बताएं।
9310559819

रमजान मुबारक

इफ्तार	शनिवार 6:22
सहरी	रविवार 5:00

नोट: शिया हजरात इफ्तार 10 मिनट बाद करेंगे व सहरी 10 मिनट पहले खत्म करेंगे।

एक नजर में

प्रोजेक्ट मैनेजर से की मारपीट और दी धमकी

नोएडा: एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र के सेक्टर 129 में साइट पर पहुंचे प्रोजेक्ट मैनेजर से मारपीट करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने दो लोगों पर मारपीट करने और धमकाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने दोनों के खिलाफ एक्सप्रेसवे थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। नोएडा सेक्टर 135 के वाजिदपुर गांव में रहने वाले अमित कुमार झा राधा बिल्डटेक कंपनी कार्यालय में प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। वह छह फरवरी की दोपहर करीब एक बजे सेक्टर 129 स्थित अपनी साइट पर गए थे। वहां पर दो अज्ञात व्यक्ति मिले थे। दोनों ने अमित को वहां से भाग जाने को बोला। इसका विरोध करने पर आरोपितों ने अमित से मारपीट की और जन से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने उपचार कराकर पुलिस से शिकायत की। एसीपी राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायत पर केस दर्ज कर जांच कराई जा रही है। (जासं)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर आज से

ग्रेटर नोएडा: भारतीय जनता पार्टी ग्रेटर नोएडा मंडल द्वारा सात व आठ मार्च को ग्रेटर नोएडा स्थित आइआइएमटी कालेज परिसर में दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के सफल आयोजन को लेकर शुक्रवार को मंडल कार्यालय पर बैठक हुई। इसमें कार्यक्रम की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। शिविर भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा के मार्गदर्शन व ग्रेटर नोएडा मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में मंडल के पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष तथा विभिन्न मोर्चों के कार्यकर्ता सहभागिता करेंगे। बैठक में मंडल उपाध्यक्ष राघवेंद्र त्रिपाठी, विजय कसाना, दुष्यंत चौहान, कपिल भाटी, मण्डल महामंत्री मुकेश दीक्षित उपस्थित रहे। (जासं)

नौ वर्ष में यात्री व कार्गो सुविधाओं के लिए तैयार नोएडा एयरपोर्ट

25 वर्षों में परवान चढ़ी परियोजना, एयरपोर्ट से जेवर में उद्योग, व्यापार और निवेश को मिलेंगे नए अवसर

मनोज कुमार शर्मा • जागरण

जेवर: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर में बनकर तैयार हो चुका है। उद्घाटन के लिए सबसे जरूरी एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से समय मिलने के साथ ही तिथि का एलान हो जाएगा। जेवर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से विश्व के चौथे और एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की सौगात मिलने जा रही है। पिछड़ेपन से जूझ रहे जेवर के लोगों को इस महत्वपूर्ण विकास परियोजना के लिए 25 वर्षों का लंबा इंतजार करना पड़ा। केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन भाजपा सरकार ने छह जुलाई 2017 को जेवर में एयरपोर्ट निर्माण के लिए साइट क्लीयरेंस दी थी।

इसके बाद परियोजना परवान चढ़ी और नौ साल बाद यात्री और कार्गो सुविधा के लिए इंटरनेशनल एयरपोर्ट पूरी तरह तैयार है। जेवर के लोग वर्ष 2001 से इंटरनेशनल एयरपोर्ट का सपना देख रहे हैं। वर्तमान रक्षा मंत्री और तत्कालीन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने का प्रयास किया था।

बाद में बसपा सुप्रीमो मायावती ने गृह जनपद होने की वजह से 2008 में केंद्र को जेवर में एयरपोर्ट के लिए प्रस्ताव भेजा, लेकिन केंद्र में कांग्रेस की सरकार ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई और एयरपोर्ट परियोजना खटाई भी पड़ गई। भाजपा सरकार में स्थानीय सांसद डा. महेश शर्मा के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री बनते ही जेवर में एयरपोर्ट के परियोजना को हवा मिली। प्रदेश में तत्कालीन सपा सरकार से तालमेल न बैठने पर परियोजना परवान नहीं चढ़ सकी।

बाद में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जेवर के अलावा टुंडला में हिरनगांव और आगरा के एत्मादपुर में परियोजना के लिए केंद्र सरकार के पास प्रस्ताव भेजा था, लेकिन प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद वर्ष 2017 में इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर में ही बनाने पर मुहर लगी जिससे आज जेवर विश्व पटल पर नई पहचान बना रहा है।

उद्घाटन की तिथि तय होते ही कार्यक्रम की तैयारियां हो जाएंगी शुरू: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि डीजीसीए की तरफ से शुक्रवार को एयरोड्रम लाइसेंस जारी किया गया है। लाइसेंस मिलने के बाद एयरपोर्ट के उद्घाटन की तिथि तय होते ही कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो जाएंगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के नोडल अधिकारी व यीडा के एसीईओ शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि 20 अप्रैल के बाद (एयरोड्रम लाइसेंस जारी होने के अधिकतम 45 दिन) संचालन के बाद घरेलू यात्री व कार्गो सेवा शुरू हो जाएगी। शुरुआत में घरेलू और कार्गो सेवाओं का संचालन होगा।

बाद में इंटरनेशनल सेवाएं संचालित की जाएंगी। इंडिगो, अकाशा और एअर इंडिया एक्सप्रेस तीन एयरलाइंस यात्रियों के लिए देश के प्रमुख शहरों को उड़ानें शुरू करेंगी।

एयरपोर्ट का अधिकारिक दस्तावेज है एयरोड्रम लाइसेंस: नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) देश में एयरपोर्ट और विमानन गतिविधियों को नियंत्रित करने वाली संस्था है। डीजीसीए ने नोएडा एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस एयरक्राफ्ट रूल्स, 1937 के रूल 78 के तहत जारी किया है। यह एयरपोर्ट का अधिकारिक दस्तावेज होता है। नियम के अनुसार, किसी भी एयरपोर्ट के संचालन से पहले यह लाइसेंस लेना जरूरी होता है।

टिकट बुकिंग को लिखा जाएगा पत्र: लाइसेंस मिलने के बाद 20 अप्रैल तक एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू होने की उम्मीद है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने एयरपोर्ट को सशर्त सुरक्षा मंजूरी दी है। ऐसी करीब 18 शर्तें हैं, जिन्हें उड़ान से पहले पूरा किया जाना है। उधर, बिना एयरोड्रम लाइसेंस के टिकटों की बुकिंग नहीं हो सकती है। अब एयरपोर्ट प्रबंधन इंडिगो, एअर इंडिया और अकाशा एयरलाइंस को पत्र भेजेगा, ताकि वह टिकट बुकिंग शेड्यूल जारी कर सकें।

एयरपोर्ट की शानदार यात्री टर्मिनल बिल्डिंग का अंदर का नजारा • सौ. नियाल प्रबंधन

एयरपोर्ट का इस प्रकार होगा विकास

कार्य	पहला चरण	चौथा चरण
यात्री क्षमता	1.2 करोड़ प्रतिवर्ष	सात करोड़ प्रति वर्ष
फ्लाइट	एक लाख प्रतिवर्ष	पांच लाख प्रतिवर्ष
रनवे	उत्तर रनवे 3900 मीटर	दक्षिण रनवे 4150 मीटर
टर्मिनल	एक लाख वर्गमीटर	पांच लाख वर्गमीटर
एयरक्राफ्ट स्टैंड	28	180

कब क्या हुआ

- 2001 में राजनाथ सिंह ने जेवर में एयरपोर्ट का केंद्र को प्रस्ताव भेजा
- 2008 में मायावती ने केंद्र फिर से एयरपोर्ट के लिए प्रस्ताव भेजा।
- 2012 में अखिलेश यादव सरकार ने परियोजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया।
- 2013 में राज्य सरकार ने टुंडला के हिरनगांव में एयरपोर्ट का प्रस्ताव दिया।
- 2014 में राज्य सपा सरकार ने आगरा के एत्मादपुर में एयरपोर्ट का प्रस्ताव दिया।
- 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने जेवर में एयरपोर्ट बनाने की घोषणा की
- 6 जुलाई 2017 को जेवर में एयरपोर्ट निर्माण के लिए साइट क्लीयरेंस प्रदान की गई
- नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मई 2018 में एयरपोर्ट के निर्माण को सैद्धांतिक मंजूरी दी।
- 2019 में ज्यूरिक इंटरनेशनल को एयरपोर्ट के विकास और 40 साल का संचालन मिला।
- 2020 में परियोजना को जेवर के छह गांव की 1239 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण का काम पूरा हुआ।
- 25 नवंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नींव रखी।
- 5 मार्च 2026 को बीसीएएस ने नोएडा एयरपोर्ट को सिक्योरिटी क्लीयरेंस दिया।
- 6 मार्च 2026 को डीजीसीए ने एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस जारी कर शुभारंभ का रास्ता साफ किया।

एयरपोर्ट का चरणवार विकास हेक्टेयर में

प्रथम चरण	1334
दूसरा चरण	1365
तीसरा व चौथा	2053

11,077.60 करोड़ से तैयार हुआ नोएडा एयरपोर्ट का प्रथम चरण

जागरण संवाददाता जेवर: नोएडा एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण से लेकर निर्माण तक के लिए 11,202 करोड़ का बजट रखा गया था। फरवरी के अंत तक जेवर के छह गांव की 1334 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण से लेकर निर्माण कार्य पर 11,077.60 करोड़ खर्च हो चुके हैं। एयरपोर्ट पर एक रनवे संग भारतीय वास्तुकला और आधुनिक सुविधाओं से लैस टर्मिनल बिल्डिंग के अलावा 2.5 मीट्रिक टन वार्षिक क्षमता के लिए माल्टी माडल कार्गो हब बनकर तैयार है। नोएडा एयरपोर्ट के निर्माण के लिए जेवर के छह गांव के किसानों से प्रदेश सरकार ने 1334 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया। तीन हजार किसान परिवारों के विस्थापन के लिए टाउनशिप विकसित किया। दो हजार करोड़ की लागत से माल्टी माडल कार्गो हब तैयार हो चुका है। शुभारंभ के बाद एयरपोर्ट के संचालन के समय इंडिगो, अकाशा और एअर इंडिया की लगभग 50 से 60 घरेलू उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। शुरुआत में 50 से 60 लाख यात्रियों के एयरपोर्ट से सफर करने का अनुमान लगाया जा रहा है। पहले रनवे की वार्षिक क्षमता 1.2 करोड़ है जिसके 80 प्रतिशत होने पर दूसरे रनवे का निर्माण शुरू होगा।

एयरपोर्ट के दोनों छोर से टेकआफ और लैंडिंग कर सकेंगे विमान: एयरपोर्ट के रनवे के पश्चिमी छोर को रनवे दस और पूर्वी छोर को रनवे 28 के नाम से पहचान मिली है। रनवे की खास बात होगी कि यहां आने वाले विमान रनवे के दोनों छोर पूर्वी और पश्चिमी टेकआफ और लैंडिंग कर सकते हैं। रनवे का कैलिब्रेशन टेस्ट फ्लाइट के दौरान नेविगेशन, कम्यूनिकेशन व प्रिसिजन एप्रोच पाथ इंडिकेटर लाइट्स का सफल परीक्षण हो चुका है। नोएडा एयरपोर्ट के रनवे को रनवे इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आइएलएस) जैसी उन्नत क्षमता से लैस किया गया है। जिससे घने कोहरे, भारी वर्षा और खराब मौसम में 50 मीटर तक की बेहद कम रनवे दृश्यता (आरवीआर) की स्थिति में भी विमान संचालन जारी रखा जा सकता है। एयरपोर्ट पर कैट-3 बी क्षमता लैस किया जा रहा है।

मार्डन आर्किटेक्चर और भारतीय वास्तुकला का बेजोड़ होगा संगम: यात्री टर्मिनल बिल्डिंग को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ ही भारतीय वास्तुकला के बेजोड़ संगम से तैयार किया गया है। इसके अंदर देश की पुरानी हवेली के आंगन जैसा अनुभव होगा, हरिद्वार और वाराणसी के गंगा घाटों की तरह बनी सीढ़ियां इसकी सुंदरता बढ़ा रही हैं।

सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम
केंद्र सरकार ने एयरपोर्ट की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) को सौंपी है। इसके अलावा एयरपोर्ट पर निजी सुरक्षा और स्थानीय पुलिस के जवानों का तीन स्तरीय घेरा यात्रियों को सुरक्षा उपलब्ध कराएगा।

बंगाल को हराकर फाइनल में पहुंची आरपीएफ की टीम

आल इंडिया पुलिस टी-20 क्रिकेट का सेमीफाइनल मैच खेलते खिलाड़ी •

जासं, ग्रेटर नोएडा: शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में खेले जा रहे आल इंडिया टी-20 क्रिकेट के सेमीफाइनल में बंगाल को चार विकेट से हराकर आरपीएफ की टीम ने फाइनल में प्रवेश कर लिया। बल्लेबाज अशरफ गाजी को मैन आफ द मैच चुना गया। उन्होंने 26 गेंद में 49 रन की पारी खेली। दोपहर डेढ़ बजे से शुरू हुए मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बंगाल पुलिस की टीम ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 147 रन बनाए। बल्लेबाज अमन ने 35, अरिंदम 31 और विशाल ने 26 रन की पारी खेली। गेंदबाज अजीत सिंह और हिमांशु वोहरा ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। जवाब में आरपीएफ की टीम ने 19वें ओवर में 148 रन बनाकर मैच चार विकेट से जीत लिया। बल्लेबाज अशरफ गाजी ने 49 रन की पारी खेली। गेंदबाज विश्वजीत डे ने सर्वाधिक तीन और कुनाल बोस, सौविक घोष ने एक-एक बल्लेबाजों को आउट किया। इसका फाइनल मुकाबला शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम दिल्ली में शाम पांच बजे से खेला जाएगा।

जिला अस्पताल में अगले माह से होगा कान के परदे का आपरेशन

जागरण संवाददाता, नोएडा: सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में अब कान के फटे परदे का आपरेशन कराने के लिए मरीजों को हायर सेंटर रेफर नहीं होना पड़ेगा। अगले महीने से मरीजों के कान की सर्जरी शुरू हो जाएगी।

डा. अजय राणा •

अस्पताल प्रबंधन को आधुनिक माइक्रोस्कोप मशीन की मंजूरी मिल चुकी है। इसकी कीमत पांच लाख से अधिक बताई जा रही है। मशीन आने से मरीजों को करीब 400 रुपये में इलाज कराने की सुविधा से राहत भी मिलेगी। कार्यवाहक सीएमएस डा. अजय राणा ने बताया कि कान का परदा फटने पर मरीजों को इलाज के लिए हायर सेंटर जाना पड़ता है। समस्या का सुधार करने के लिए जिला अस्पताल में उच्च स्तर की सुविधा को तैयार किया जा जा रहा है। प्रबंधन ने शासन स्तर के अधिकारियों से माइक्रोस्कोप मशीन की मांग की थी। अधिकारियों ने मरीजों की परेशानी को समझा और मशीन के लिए तुरंत मंजूरी दे दी। अधिकारियों ने उम्मीद जाहिर की है कि दो सप्ताह बाद मशीन की डिलीवरी करा दी जाएगी। अभी जिला अस्पताल में पुरानी मशीनों से मरीजों का इलाज हो रहा है। प्रतिदिन 100 से ज्यादा मरीजों को ओपीडी में परामर्श दिया जाता है।

होली पर हुई 32 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री, देसी नंबर वन

जासं, ग्रेटर नोएडा: रंगों के त्योहार होली पर तीन दिनों में शराब की बिक्री ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिए। शराब बिक्री के मामले में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। करीब तीन लाख बल्क लीटर के साथ देसी शराब बिक्री के मामले में सबसे आगे रही। 2.7 लाख लीटर बिक्री के साथ बीयर दूसरे और 1.9 लाख लीटर बिक्री के साथ विदेशी शराब तीसरे स्थान पर रही। जिले में कुल शराब की बिक्री करीब 7.7 लाख लीटर दर्ज की गई, जिसकी कुल कीमत 32 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि आम दिनों में चार से पांच करोड़ की शराब की बिक्री होती है। त्योहारी मौसम में शराब की बिक्री में हमेशा बढ़ोतरी होती है और इस बार मांग काफी अधिक थी। पिछले साल होली से पहले के तीन दिनों में लगभग 27 करोड़ रुपए की शराब की बिक्री हुई थी।

सुबोध कुमार •

बिग क्रिकेट लीग पर मंडराया युद्ध का संकट, आयोजन स्थगित

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: ईरान में चल रहे युद्ध और पश्चिम एशिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण बिग क्रिकेट लीग सीजन दो को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। आयोजकों ने विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता और अंतरराष्ट्रीय यात्रा में आने वाली परेशानियों को देख यह फैसला लिया है। यह लीग 11 से 22 मार्च 2026 तक शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित थी। बिग क्रिकेट लीग दुनिया की पहली प्रो-एम क्रिकेट लीग है, जिसमें पेशेवर और एमेच्योर खिलाड़ी एक साथ खेलते। इस सीजन में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी शिखर धवन और हरभजन सिंह सहित कई अंतरराष्ट्रीय सितारे विभिन्न टीमों का हिस्सा बनने वाले थे। टीमों में मार्की प्लेयर्स के रूप में एंजेलो मैथ्यूज जैसे नाम भी शामिल थे।

लीग का उद्देश्य क्रिकेट के प्रति उत्साह बढ़ाना और एमेच्योर खिलाड़ियों को प्रोफेशनल्स के साथ खेलने का मौका देना था। आयोजकों ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, विशेष रूप से ईरान-इजराइल संघर्ष के कारण एयर स्पेस बंद होने और उड़ानों में व्यवधान से विदेशी खिलाड़ियों का आना मुश्किल हो गया है। इससे लीग की गुणवत्ता और सभी स्टार्स की भागीदारी पर असर पड़ सकता था। सुरक्षा मामले को देखते हुए लीग को स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

यूपीएससी में नोएडा की 'बेटियों' ने हासिल किया मुकाम, माता-पिता में छाई खुशियां

- संघ लोक सेवा आयोग ने जारी किया परिणाम
- सेक्टर 82 की प्रीति चौहान ने हासिल की 47 वीं रैंक
- ग्रेटर नोएडा की मुस्कान को मिली 771वीं रैंक

जागरण संवाददाता, नोएडा: संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम परिणाम शुक्रवार को घोषित किया। नोएडा सेक्टर 82 की प्रीति चौहान को देश में 47 वीं रैंक मिली है। वहीं ग्रेटर नोएडा के गांव सादोपुर की बेटी मुस्कान वर्मा को 771 वीं रैंक आई है। परिणाम की घोषणा होते ही प्रीति और मुस्कान के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। नोएडा का नाम रोशन करने वाली इन दोनों बेटियों के माता-पिता, स्वजन और पड़ोसियों की खुशी की सीमा नहीं रही।

आइएएस बनने का सपना था, एक कमरे का घर नहीं बना उड़ान में बाधा

प्रीति चौहान ने बताया कि यह उनका दूसरा प्रयास था। पहले प्रयास में 140 वीं रैंक हासिल की थी। ट्रेनिंग पर गई, लेकिन अपनी पसंद का पद लेने के लिए दोबारा तैयारी करने का मन बनाया। नौकरी से छुट्टी लेकर और अधिक तैयारी की। उनकी मेहनत रंग लाई। अब प्रीति ने आल इंडिया टाप 50 में जगह बनाई है। प्रीति महर्षि विद्या मंदिर की छात्रा रही हैं। 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर दिल्ली विश्वविद्यालय से रसायनशास्त्र से बीएससी की पढ़ाई पूरी की। यूपीएससी में समाजशास्त्र विषय रहा। ग्रेजुएशन करने के साथ यूपीएससी की तैयारी भी करती रहीं। आईएएस बनने का सपना पूरा करने के लिए दिन रात एक कर दिया। पिता राजेंद्र सिंह प्राइवेट नौकरी करते हैं। मां मधुबाला सिंह गृहिणी हैं। प्रीति बताती हैं कि उनका घर एक कमरे का है इसलिए तैयारी करने में परेशानी होती थी लेकिन परिवार के सहयोग से बेहतर तैयारी कर सकी। प्रीति की एक बहन और एक भाई है। वे बताती हैं कि प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी खुद ही की।

प्रीति चौहान

सीमित संसाधनों में पूरा किया पिता का अफसर बिटिया का सपना

सादोपुर गांव की बेटी मुस्कान वर्मा ने यूपीएससी परीक्षा में आल इंडिया रैंक 771वीं हासिल की। दादरी के सादोपुर गांव की बेटी मुस्कान ने यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार का नाम रोशन किया है। मुस्कान बताती हैं कि उन्होंने जामिया मीलिया इस्लामिया रेसिडेंशियल कोचिंग अकादमी में रहकर स्वयं तैयारी की। साथ ही सीनियर्स से मदद ली। सादोपुर गांव निवासी रोहित गुर्जर ने बताया कि मुस्कान ने दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कालेज से फिजिक्स से बीएससी की पढ़ाई की। ग्रेजुएशन के साथ यूपीएससी की तैयारी भी करती रहीं। उनके पिता अनिल कुमार मल्टीमीडिया के क्षेत्र में कार्यरत हैं। मां मालती वर्मा ब्यूटी पार्लर चलाती हैं। छोटी बहन भी मेडिकल की तैयारी कर रही हैं। सीमित संसाधनों में भी मुस्कान ने बेटी को अफसर बनने का अपने पिता का सपने न केवल जिंदा रखा बल्कि उसे पूरा भी कर दिखाया।

मुस्कान वर्मा •

रिव्यू अर्जी का उद्देश्य नए सिरे से विचार करना नहीं: हाई कोर्ट

विधि संवाददाता, जागरण • प्रयागराज: इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि रिव्यू अर्जी का उद्देश्य नए सिरे से मामले में विचार करना नहीं, बल्कि पूर्व निर्णय में हुई कानूनी गलती को सुधारना है। न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकलपीठ ने इस टिप्पणी के साथ ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी (जीएनआइडीए) की वह समीक्षा याचिका खारिज कर दी है, जो मेसर्स एलिवेटर प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में निर्णय के खिलाफ दाखिल की गई थी। कोर्ट ने कहा, पूर्व आदेश में स्पष्ट था कि मेसर्स एलिवेटर प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को 31 दिसंबर 2022 से तीन महीने पहले नोटिस जारी करना आवश्यक था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। यह कानूनी बाध्यता थी। इसलिए प्राधिकरण व राज्य सरकार के आदेश को निरस्त कर दिया था। कोर्ट ने सजंय कुमार अग्रवाल बनाम स्टेट टैक्स आफिसर (एक) और अन्य के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि रिव्यू अर्जी का उद्देश्य नए सिरे से विचार करना नहीं है। पुनर्विचार का दायरा सीमित है और इसके बहाने पक्षों को उन प्रश्नों को फिर से उठाने और बहस करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, जिनका पहले ही समाधान किया जा चुका है। विवादित निर्णय समीक्षा के दायरे में नहीं आता। कोर्ट ने कहा, याची के अधिवक्ता यह साबित करने में असफल रहे हैं कि विवादित निर्णय में कोई स्पष्ट त्रुटि या गलती है। रिव्यू अर्जी में कहा गया था कि जिस क्षेत्र में विवादित भूमि है, वह पूरी तरह से विकसित है और सभी विश्वस्तरीय ढांचे की सुविधाएं दी गई हैं।।

यह है मामला: मेसर्स एलिवेटर प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड ने पूर्व में ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी (जीएनआइडीए) के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें प्लाट नंबर तीन, सेक्टर-टेक जोन-2, ग्रेटर नोएडा का आवंटन रद कर उसकी जमा राशि जब्त कर ली गई थी। याची के अनुसार जीएनआइडीए ने दायित्वों को पूरा नहीं किया है, जैसे एप्रोच रोड नहीं बनाया। इतना ही नहीं वैकल्पिक प्लाट की उसकी मांग नजर अंदाज कर दी गई। नियमानुसार उसे नोटिस नहीं दी। प्राधिकरण तथा सचिव के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिका कोर्ट ने छह जून 2025 के आदेश में स्वीकार कर ली थी।

डीएनडी के 25 वर्ष पूरे, अब बढ़ते यातायात को संभालने की भी तैयारी

साक्षात्कार

दिल्ली और नोएडा को जोड़ने वाले डीएनडी (दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट) फ्लाइवे 25 वर्ष पूरे कर चुका है। पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) माडल पर यह देश का पहला और सफल प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट एनसीआर की आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। न्यायालय के आदेश पर यहां टोल बंद होने के बाद भी निर्माता कंपनी एनटीबीसीएल (नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड) ने यहां रखरखाव जारी रखा। यह फ्लाइवे सिग्नल-फ्री, तेज और सुरक्षित यात्रा के लिए खास है। डीएनडी के इतिहास और भविष्य की कार्ययोजना पर एनटीबीसीएल के कार्यकारी निदेशक धीरज कुमार से दैनिक जागरण संवाददाता ने बातचीत की। पेश है बातचीत के कुछ प्रमुख अंश...

धीरज कुमार •

- **डीएनडी को 25 वर्ष पहले के वाहनों की संख्या के लिए बनाया गया। यह उस पर कितना खरा उतरा है? अब यहां बढ़ रहे यातायात के लिए क्या योजना है?**

-डीएनडी का प्रस्ताव 25 वर्ष पूर्व करीब 50 हजार वाहनों के लिए तैयार हुआ। कंपनी ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए फ्लाइवे को दोगुनी क्षमता का बनाया। इसका लाभ अभी भी बाद भी मिल रहा है। नोएडा प्राधिकरण यहां रुकने वाले यातायात के लिए हमसे प्रस्ताव मांगता है या खुद देता है तो उसके लिए भी हम तैयार हैं।

- **डीएनडी फ्लाईवे की शुरुआत कैसे हुई? पीपीपी माडल चुनने का कारण क्या रहा?**

-डीएनडी बनने से पहले नोएडा से दिल्ली के दो रास्ते थे। एक योजना तैयार हुई क्यों ना यमुना के ऊपर एक लिंक रोड बनाया जाए। इसमें आइएलएंडएफएस, यूपी और दिल्ली सरकार शामिल थे। आइएलएंडएफएस ने एनटीबीसीएल को फंड दिया। जापान की कंपनी इससे जुड़ी।

- **यहां से डेली गुजरने वालों के लिए सुधार का क्या प्लान है?**

-हमारा उद्देश्य ही लोगों को सुगम और सुरक्षित सफर देना है। कंपनी की एसओपी है कि कोई गड्ढा सड़क पर है तो 24 घंटों के भीतर उसको भरा जाए। कंट्रोल रूम और एम्बुलेंस सहायता वाहन सवारों को 24 घंटे मिले यही हमारी प्राथमिकता है।

- **टोल बंद होने के बाद सबसे बड़ी चुनौतियां क्या आईं?**

-डीएनडी पर 90 प्रतिशत राजस्व टोल से मिलता था। न्यायालय के आदेश पर यह बंद हो गया।

- **बिना टोल के मेंटेनेंस कैसे मैनेज हो रहा है? हाल के रिपेयर वर्क और भविष्य में 100 करोड़ के स्ट्रक्चरल वर्क के लिए प्लान क्या है?**

-कंपनी बोर्ड के साथ सेफ्टी आडिट कर पूरा सर्वे कराने का कार्य कर रही है। सर्वे पूरा होने के बाद असल खर्चे का पता चलेगा।

गरीब व जरूरतमंदों की पीड़ा का एहसास कराता है रमजान

रोजा वास्तव में एक महीने का एक ऐसा प्रशिक्षण है जिसका प्रभाव पूरे वर्ष रहता है। रोजा इस्लामी कानून की ऐसी धारा है जिसके लागू होते ही इंसान हर तरह की बुराई, झूठ, छल, कपट से रुक जाता है। रोजा सुबह से शाम तक मात्र भूखे और प्यासे रहने का नाम नहीं है। यह पवित्र सामाजिक, वैज्ञानिक और नैतिक अभ्यास भी है। इस अभ्यास के जरिये इंसान को एक साथ कई तत्व समझाना और बहुआयामी तजर्बों से गुजरना असल मकसद है। रोजा मूलतः रमजान के महीने में रखा जाता है। रमजान का मूल शब्द रमज है। रमज का अर्थ है रुक जाना। रोजे में इंसान जिस प्रकार खाने पीने से रुक जाता है उसी प्रकार बुराइयों से भी रुक जाता है। रोजा रख कर जिन शारीरिक, व्यवहारिक कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है वास्तव में इंसान को उस से यही आभास कराना होता है कि समाज के जिस वंचित वर्ग के पास खाने पीने और तुम्हारे जैसी सुविधाएं नहीं हैं उन्हें किस कष्ट से गुजरना पड़ता है। जब उनकी पीड़ा का व्यवहारिक तजर्बा होगा तभी उन से हमदर्दी पैदा होगी। इस्लाम इस बात पर जोर दिया है कि जो अपने लिए पसंद करो वही दूसरों के लिए भी करो। पड़ोसी का यहां तक ख्याल रखने को कहा गया है कि अगर वह गरीब है तो अपने खाने पीने की चीजों में से उसका हिस्सा भी निकालो।

वदूद साजिद, संपादक, दैनिक इंकिलाब

दैनिक जागरण कार्यालय

स्थानीय ब्यूरो
सी-67, द्वितीय तल, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद

प्रिय पाठकगण,
आप एक जागरूक शहरी के रूप में दैनिक जागरण अखबार व अपने समाज की आंख व कान बन सकते हैं। अपने शहर की जिन समस्याओं, मुद्दों व बातों को जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं, हमें बताएं। हम समाचार पत्र के माध्यम से आपकी आवाज को उन लोगों तक ले जाएंगे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं।

संपर्क करें :- 9927990172

ईमेल :aditya.tripathi@nda.jagran.com

कृपालु पाठक
अगर आपको अपना प्रिय समाचार पत्र दैनिक जागरण मिलने में कोई परेशानी हो रही है तो कृपया हमें जरूर बताएं।
9910212667

बातों बातों में

-राज कौशिक

हमने मान लिया इस युद्ध में एक बेहूदा है
लेकिन तुम भी मानो इनमें एक तो गुंडा है
किसका हम दें साथ इसमें अब किस को दें हम छोड़
जितना ज्यादा जो गलत, समझे खुद को अच्छा है

एक नजर में

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में सौंपा ज्ञापन

गाजियाबाद : यूजीसी के नए नियमों के विरोध में शुक्रवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय मंच के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। राष्ट्रपति को भेज गए ज्ञापन में बताया गया है कि यूजीसी के नए नियम उच्च शिक्षा व्यवस्था, छात्रों और शिक्षकों के लिए चिंताजनक हैं। नए नियमों को वापस लिया जाना चाहिए और शिक्षा से जुड़े सभी पक्षों से व्यापक विचार विमर्श कर नई नीति को लागू किया जाए। इस दौरान संगठन के संयोजक रमेश सिंह राघव, अमर सिंह राठौर, मनोहर आदि उपस्थित रहे। (जासं)

महिला हुई लापता, जांच

मोदीनगर : कोतवाली क्षेत्र की एक कालोनी से महिला संदिग्धावस्था में लापता हो गई। पति ने थाने में तहरीर दी है। एक कालोनी के व्यक्ति के मुताबिक, दो दिन पहले उनकी पत्नी बाजार से सामान लेने गई थी, लेकिन घर नहीं लौटी। उन्होंने रिश्तेदार व आसपास में भी पता किया। उन्हें पता चला कि एक युवक के साथ पत्नी को देखा गया है। व्यक्ति ने उस युवक पर अपहरण का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दी है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। (जासं)

बुनियादी सुविधाएं विकसित कराने की मांग रखी

गाजियाबाद : मधुबन-बापूधाम में बुनियादी सुविधाएं विकसित न होने के कारण आवंटियों ने नौ सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ को ज्ञापन सौंपा। मांग की गई है कि मधुबन-बापूधाम में टूटी सड़कों का निर्माण कराया जाए। पाकेट डी और ई में बने घरों में पानी की आपूर्ति की जाए। सीवर लाइन की सफाई की जाए और खुले मैनहोल को ढका जाए। पाकेट एफ और डी में गड्ढे का भराव किया जाए। पाकेट डी में भूखंड संख्या एक और 150 के बीच से एचटी लाइन को हटाएं। (जासं)

REQUIRED
PGT's For all Subjects
PRT For all Subjects
PRE PRIMARY & PTI
with Min 3 Years Experience.
Qualification as per CBSE Norms
GEETA SANJAY MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
Lohia Nagar, Ghaziabad
gsm_school_gzb@yahoo.in
9990721606
0120-2721606

बचपन की गलतियां
हर उम्र में जबरदस्त ताकत व रुकावट
SEX रोगी मिलें
डा.शेख
नई दिल्ली • नोएडा • फरीदाबाद • गुरुग्राम
9837023223

मेडिकल कालेज रिश्वत मामले में पिता-पुत्र को कोर्ट ने सजा सुनाई

- झज्जर के वर्ल्ड कालेज आफ मेडिकल साइंस की मान्यता को लेकर रिश्वत मामले में हुई सजा
- आरोपितों ने प्ली बारगेनिंग के तहत जुर्म स्वीकार किया, छह माह जेल की सुनाई गई सजा

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद: सीबीआइ कोर्ट ने झज्जर के वर्ल्ड कालेज आफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च से जुड़े रिश्वतखोरी के मामले में पिता-पुत्र को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। आरोपितों ने कोर्ट में प्ली बारगेनिंग के तहत कम सजा की मांग की थी। कोर्ट ने दोनों को छह महीने के साधारण कारावास और एक-एक लाख रुपये के जुर्माने की सजा दी है।

2017 में केंद्र सरकार ने बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण 46 मेडिकल कालेजों पर दाखिला लेने से रोक लगा दी थी, जिसमें झज्जर स्थित वर्ल्ड कालेज भी शामिल था। आरोप था कि कालेज के चेयरमैन डा. नरेंद्र सिंह और कुंवर निशांत सिंह ने स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए विनोद कुमार शर्मा और वैभव शर्मा के साथ मिलकर एक आपराधिक साजिश रची। इस साजिश के तहत 50 लाख रुपये की रिश्वत की पहली किस्त का भुगतान किया गया, जिसे सीबीआइ ने तीन अगस्त 2017 को छापेमारी के दौरान बरामद किया था। मुकदमे के दौरान आरोपितों ने अपनी गलती स्वीकार की और दंड प्रक्रिया संहिता के तहत प्ली बारगेनिंग के लिए आवेदन किया। कोर्ट ने पाया कि मामले में किसी सरकारी सेवक की संलिप्तता का प्रमाण नहीं मिला। सीबीआइ द्वारा जब्त किए गए 50 लाख रुपये को विभाग के पक्ष में जब्त करने का आदेश दिया गया है। विशेष सीबीआइ न्यायाधीश प्रमेंद्र कुमार ने 27 फरवरी को दोनों को आइपीसी की धारा 120-बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा आठ के तहत दोषी ठहराया।

क्या है प्ली बारगेनिंग : अधिवक्ता अनीस चौधरी के मुताबिक प्ली बारगेनिंग ऐसी कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें आपराधिक मामलों में आरोपित पक्ष अभियोजन पक्ष के साथ बातचीत कर अपना अपराध स्वीकार कर लेता है। लेकिन मुकदमे का सामना करने के बजाय अभियोजन पक्ष से सजा कम करने के लिए समझौता करता है।

कोर्ट ने पूर्व आइपीएस ज्योति वेलूर के पिता का पता तस्दीक करने का दिया आदेश

जासं, गाजियाबाद : भोजपुर में 1996 में चार लोगों के फर्जी मुठभेड़ मामले में फरार चल रहीं पूर्व आइपीएस अधिकारी ज्योति वेलूर के पिता का पता तस्दीक करने का आदेश दिया गया है। कोर्ट को बताया गया कि आरोपित महिला के पिता मुंबई में रहते हैं। कोर्ट ने यह जानना चाहा कि क्या ज्योति वेलूर अपने पिता से मिलने के लिए वहां जाती हैं या नहीं। अगली सुनवाई 20 मार्च को होगी। भोजपुर थानाक्षेत्र के मछरिया गांव की पुलिया पर आठ नवंबर 1996 को पुलिस ने मुठभेड़ में चार युवकों को मार गिराया था। मृतकों की पहचान मोदीनगर निवासी प्रवेश, जसवीर, जलालुद्दीन और अशोक के रूप में हुई थी। स्थानीय लोगों ने सीबीआइ जांच की मांग की थी, जिसके बाद प्रदेश सरकार ने मामला सीबीआइ को सौंप दिया, जिसमें सीबीआइ ने माना कि मुठभेड़ फर्जी थी। जांच एजेंसी ने तत्कालीन एसओ समेत पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। पीड़ित पक्ष के बयान के आधार पर कोर्ट ने तत्कालीन एएसपी ज्योति वेलूर को भी आरोपित बनाया। आरोप है कि उनके सरकारी रिवाल्वर से भी फायरिंग हुई थी। मामला दर्ज होने के बाद ज्योति वेलूर इंग्लैंड चली गईं और कभी कोर्ट में पेश नहीं हुईं। कोर्ट कई बार गैर-जमानती वारंट और कुर्की आदेश जारी कर चुका है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

डीएमई पर खड़े ट्रक में घुसी बाइक, एक की मौत, भाई-बहन घायल

डीएमई पर महरौली के पास खड़ा था ट्रक, सड़क हादसे के बाद चालक हुआ फरार

संवाद सहयोगी • मसूरी: वेव सिटी थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की देर रात दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) पर खड़े ट्रक में पीछे से बाइक घुस गई। हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि भाई और बहन घायल हुए हैं। हादसे के बाद चालक मौके से ट्रक लेकर फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, बृहस्पतिवार देर रात करीब साढ़े 11 बजे महरौली के पास एक ट्रक डीएमई में खड़ा था। इसी बीच मेरठ की ओर से आई बाइक ट्रक में घुस गई। बाइक पर तीन लोग सवार थे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची व तीनों घायलों को संजय नगर संयुक्त जिला अस्पताल लेकर पहुंची। यहां चिकित्सकों ने संभल के चंदौसी निवासी 40 वर्षीय वीरपाल को मृत घोषित कर दिया, जबकि जितेंद्र व शिवानी घायल हैं। जितेंद्र व शिवानी आपस में भाई-बहन हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपित ट्रक चालक की तलाश जारी है।

अवैध पार्किंग की वजह से हुआ हादसा : डीएमई पर अवैध रूप से ट्रक पार्क था, जबकि नियमानुसार डीएमई पर ले-बाय पर ही खड़ा किया जा सकता है। अवैध रूप से पार्किंग होने से बाइक ट्रक में घुसी और एक व्यक्ति की जान चली गई। यहां पुलिस व एनएचएआइ टीम गश्त करती है व अवैध रूप से खड़े वाहनों पर कार्रवाई का दावा करती है। हादसे के बाद पुलिस व एनएचएआइ टीम जागती है।

डीएमई पर दोपहिया है प्रतिबंधित : डीएमई पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा 100 किमी है। तेज रफ्तार होने से दोपहिया व तिपहिया वाहन भी प्रतिबंधित हैं। बृहस्पतिवार देर रात हुए हादसे में यातायात के नियम टूटे जो जानलेवा साबित हुए। दोपहिया पर तीन सवारी भी प्रतिबंधित हैं। तमाम दावों के बावजूद मेरठ व गाजियाबाद पुलिस डीएमई पर दोपहिया को प्रवेश नहीं रोक पा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कंपनीकर्मी की मौत, केस

जासं, गाजियाबाद : चिपियाना निवासी अनुष्का द्विवेदी ने पुलिस को शिकायत दी है कि एक मार्च को उनके पिता विवेक कुमार लोहा मंडी से बाइक पर जा रहे थे। लालकुआं फ्लाईओवर के पास उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल विवेक कुमार को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अनुष्का की शिकायत पर कविनगर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

मोदीनगर : निवाड़ी रोड पर गांव याकूतपुर मवी के पास कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। मेरठ के लिसाड़ी गेट के शाहरुख शुक्रवार को किसी काम से बाइक से निवाड़ी जा रहे थे। वे मोदीनगर पार कर निवाड़ी रोड पर जब याकूतपुर मवी गांव के पास पहुंचे तो पीछे से आ रही कार ने ओवरटेक करने के फेर में बाइक में टक्कर मार दी। इससे शाहरुख सड़क पर गिरकर घायल हो गए। उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोगों ने शाहरुख को अस्पताल में भर्ती कराया। इस बीच मौका पाकर आरोपित चालक कार समेत फरार हो गया। शाहरुख का अस्पताल में उपचार जारी है। फिलहाल कोई शिकायत थाने में नहीं दी गई है।

सड़क हादसे में हुई मौत के मामले में केस दर्ज

जासं, गाजियाबाद : दिल्ली के नंदनगरी के विनय ने पुलिस को शिकायत दी है कि 14 फरवरी को वह अपने भाई वाशु के साथ बाइक पर मेरठ से दिल्ली जा रहे थे। नए बस अड्डे के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही उनका भाई ट्रक के नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल वाशु को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने वाशु को मृत घोषित कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक पर केस दर्ज किया है।

नगर निगम की 1702 दुकानों के किराये को लेकर हुआ मंथन

जासं, गाजियाबाद: महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक की उपस्थिति में शुक्रवार को नगर निगम की 1702 दुकानों के किराये को लेकर गठित समिति ने गहन मंथन किया। इस बैठक में शहर के अधिकांश व्यापारी भी शामिल हुए। समिति और व्यापारियों की सहमति से किराया वृद्धि पर निर्णय लिया गया है। यह मामला पुराना है, जिसमें पूर्व की समिति द्वारा किराया वृद्धि की गई थी, जिसे पास किया गया था। व्यापारियों ने किराये को अत्यधिक बताया, जिसके चलते कार्यकारिणी की बैठक में इस प्रस्ताव पर पुनः विचार करने का निर्णय लिया। महापौर (समिति की अध्यक्ष) और नगर आयुक्त (समिति के उपाध्यक्ष) ने पांच पार्षदों और पांच अधिकारियों की एक नई समिति का गठन किया। पार्षदों में भगवान अग्रवाल, मनोज त्यागी, अजय शर्मा, उदित मोहन और संजय सिंह शामिल हैं। नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, सहायक नगर आयुक्त पल्लवी सिंह, मुख्य अभियंता एनके चौधरी और उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा. अनुज सिंह को नामित किया। बैठक में किराये को कम करने का निर्णय लिया गया है। शनिवार को बोर्ड बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाएगा। रामानुज मार्किट और कविनगर जोन परिसर मार्किट के आवंटियों द्वारा प्रीमियम जमा कराया गया था, जिसके चलते उन पर किराया निर्धारित न करते हुए संपत्तिकर वसूला जाएगा।

अपराध की खबरें

हमले के आरोपित की अग्रिम जमानत खारिज

जासं, गाजियाबाद : कोर्ट ने ट्रोनिका सिटी थानाक्षेत्र में जनवरी में जानलेवा हमला करने के आरोपित का अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया है। इस मामले में मीरपुर हिंदू निवासी सुनील त्यागी ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि 16 जनवरी को उनके भतीजे शशिकांत के यहां मीरपुर हिंदू निवासी नितिन एवं अन्य ने जानलेवा हमला कर दिया था। आरोपितों ने फायरिंग भी की। निकुल के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया था। इसके बाद आरोपित मौके पर खड़ी कार भी लेकर फरार हो गए थे जिसमें तीन लाख रुपये रखे हुए थे। इस मामले में कोर्ट ने आरोपित नितिन का अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

नजारत घोटाले में पूर्व बैंक अधिकारी से जिरह हुई

जासं, गाजियाबाद : कचहरी में नजारत में हुए पीएफ घोटाले में शुक्रवार को विशेष सीबीआइ कोर्ट में पूर्व बैंक अधिकारी नरेंद्र कुमार से कोर्ट में बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने जिरह की। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 10 मार्च की तारीख लगाई है। जानकारी के अनुसार, सीबीआइ द्वारा दाखिल आरोप पत्र में बताया गया है कि 2001 से 2008 के बीच जनपद न्यायालय में तैनात तत्कालीन केन्द्रीय नाजिर/बिल क्लर्क आशुतोष अस्थाना ने लोक सेवक होने के नाते अपनी स्थिति का आपराधिक दुरुपयोग करते हुए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के नाम पर फर्जी प्रार्थना पत्र, बिल, बाउचर और आदेश तैयार किए गए और उनके जरिए जीपीएफ फंड से करीब 6.58 करोड़ रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। मुख्य आरोपित आशुतोष अस्थाना की पहले ही डासना जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है।

फर्जीवाड़े के मामले में केस दर्ज करने के आदेश

जासं, गाजियाबाद : मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गाजियाबाद की अदालत ने मैसर्स पंकज सुरेंद्र एंड कंपनी की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए इंदिरापुरम थाना पुलिस को एक कंपनी के निदेशकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया है। प्रार्थी चार्टर्ड अकाउंटेंट पंकज सेठी का कहना है कि उन्हें 30 अगस्त 2024 को कंपनी राजपूताना राइस प्राइवेट लिमिटेड ने वार्षिक साधारण सभा में आडिटर नियुक्त किया था। आडिट के दौरान उन्हें कंपनी के खातों में अनियमितताएं मिलीं। जब उन्होंने इन गड़बड़ियों पर कंपनी के निदेशकों से स्पष्टीकरण मांगा तो उन्हें जांच से दूर रहने के लिए कहा गया। बाद में डेढ़ करोड़ रुपये में दोनों पक्षों में सहमति बन गई। प्रार्थी का कहना है कि कंपनी ने केवल 45 लाख रुपये का भुगतान किया और बाकी रकम देने से मुकर गई। कोर्ट ने मामले में इंदिरापुरम थाना पुलिस को आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच करने का निर्देश दिया है।

मकान हड़पने के आरोप में केस दर्ज करने का आदेश

जासं, गाजियाबाद : मोहम्मद हैदर अंसारी ने अदालत में प्रार्थनापत्र देकर आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी से ग्राम कैला स्थित मकान खरीदा था और उसका कब्जा भी ले लिया था। आरोप है कि एक फरवरी को गीता समेत कई लोग कुछ अज्ञात व्यक्तियों के साथ मकान पर पहुंचे और उसे खाली करने का दबाव बनाने लगे। गीता ने दावा किया कि मकान की पूर्व स्वामिनी दयारानी ने उसे गोद लिया था और उसी आधार पर उसे संपत्ति मिली है। आवेदक का आरोप है कि यह गोदनामा फर्जी और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर तैयार किया गया है। इसके अलावा दो अलग-अलग आधार कार्ड होने और उनमें पिता का नाम अलग-अलग दर्ज होने का भी दावा किया गया है। अदालत ने दस्तावेजों और आरोपों को गंभीर मानते हुए कोतवाली पुलिस को केस दर्ज करने का आदेश दिया है।

दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म मामले में परिवाद दर्ज

जासं, गाजियाबाद : कोर्ट ने अंकुर विहार थाना क्षेत्र से जुड़े दहेज प्रताड़ना और दुष्कर्म के मामले में परिवाद दर्ज करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने वादी के बयान दर्ज करने के लिए पांच मई की तारीख लगाई है। पीड़िता ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनका निकाह वर्ष 2023 में अंकुर विहार थानाक्षेत्र में एक युवक से हुआ था। निकाह में उनके पिता ने अपनी हैसियत से अधिक खर्च कर दान-दहेज दिया था। इसके बाद भी ससुराल में दहेज के लिए उनका उत्पीड़न शुरू कर दिया। दहेज में बाइक और पांच लाख रुपये नकद की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। बाद में गांव के लोगों ने मई 2024 को पंचायत कर समझौता कराया और पति उसे लेकर लोनी आ गया, लेकिन ससुराल पक्ष का व्यवहार नहीं बदला। आरोप है कि बाद में उसे दिल्ली ले जाकर कुछ लोगों ने दुष्कर्म किया। महिला के पिता ने ज्योति नगर थाना, दिल्ली में भी शिकायत दी लेकिन आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। कोर्ट ने पुलिस से आख्या मांगी, जिसमें पुलिस ने बताया कि इस संबंध में केस दर्ज नहीं है। अदालत ने मामला प्रथम दृष्टया पारिवारिक व वैवाहिक विवाद से जुड़ा मानते हुए पुलिस जांच के बजाय प्रार्थना पत्र को परिवाद के रूप में दर्ज कर न्यायालय द्वारा जांच किए जाने का निर्णय लिया।

नवाचार को बढ़ावा देने को मिलेगी सहायता राशि

जासं, गाजियाबाद : जिले के विद्यार्थियों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2025-26 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। योजना में जिले के 114 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। जिले में अभी तक चार साल में कुल 437 विद्यार्थियों का योजना के अंतर्गत राज्य स्तर पर चयन हुआ है। जिला विद्यालय निरीक्षक डा. धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि 114 विद्यालयों से कुल 1,800 विद्यार्थियों ने जिले में इस योजना के लिए आवेदन किया था। जिनमें से 114 विद्यार्थी चयनित किए गए हैं। इंस्पायर अवार्ड योजना के अंतर्गत जिनका चयन हुआ है। उन सभी के माडल और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 10 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। अभी विद्यार्थी राज्य स्तर पर चयनित हुए हैं। अब ये विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करेंगे। सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से विद्यार्थियों के खाते में भेजी जाएगी। बता दें कि 2023-24 में सबसे ज्यादा 150 बच्चों का चयन हुआ था।

कंप्रेसर फटने से पेंट गोदाम में लगी थी आग

- 20 घंटे में बुझाई आग, बृहस्पतिवार करीब रात नौ बजे लगी थी आग
- शुक्रवार सुबह फिर भड़की आग, संचालक को जारी होगा नोटिस

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद: मेरठ रोड पर स्थित पेंट गोदाम में बृहस्पतिवार रात लगी आग शुक्रवार शाम को बुझाई जा सकी। 20 दमकलों ने 50 से अधिक चक्कर लगाकर 20 घंटे में आग पर पूरी तरह काबू पाया। पेंट में उपयोग होने वाले ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग लगातार पेंट के डिब्बों में लगती रही, जिससे दमकल कर्मियों को आग बुझाने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। अग्निशमन विभाग के अनुसार, गोदाम संचालक ने फायर एनओसी भी नहीं ली थी। आग लगने का कारण प्रारंभिक जांच में कंप्रेसर का फटना बताया गया है।

मेरठ रोड के मैनापुर इंडस्ट्रीयल एरिया में अरविंद केमिकल के नाम से नेरोलक पेंट का गोदाम स्थित है, जहां भारी मात्रा में पेंट और केमिकल रखे गए थे। होली की छुट्टी के कारण गोदाम में केवल एक कर्मचारी मौजूद था। बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे कंप्रेसर फटने से गोदाम में रखे पेंट ने आग पकड़ ली। कर्मचारी ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैल गई। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन आग तेजी से बढ़ती गई। गोदाम परिसर आग की चपेट में आने के बाद पास के स्क्रैप वाहनों के गोदाम में भी आग लग गई। दमकल ने देर रात करीब साढ़े 12 बजे आग पर काबू पाया, लेकिन कूलिंग के दौरान आग कई बार भड़क उठी। पेंट के विभिन्न आकार के डिब्बे और केमिकल होने के कारण गाजियाबाद, नोएडा, मेरठ और हापुड़ से फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। शुक्रवार सुबह फिर आग भड़क गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल के अनुसार, मौके पर स्थायी रूप से पांच दमकलों को आग बुझाने में लगाया गया, और शाम करीब पांच बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया गया।

संचालक को नोटिस किया जाएगा जारी : दमकल का कहना है मौके पर भारी मात्रा में पेंट, थिनर आदि सामान रखा हुआ था। इसके बाद भी सिर्फ एक कर्मचारी गोदाम में मौजूद था। गोदाम संचालकों ने फायर एनओसी भी नहीं ली हुई है। सीएफओ का कहना है कि संचालक को इस संबंध में नोटिस जारी किया जाएगा।

मेरठ रोड पर पेंट गोदाम में लगी आग बुझाते अग्निशमनकर्मी • जागरण

निगम की बोर्ड बैठक आज टैक्स पर हंगामे के आसार

जासं,गाजियाबाद: हाउस टैक्स में वृद्धि को लेकर शनिवार को नगर निगम की बोर्ड बैठक होगी। इस बढ़ोतरी के कारण अधिकांश नागरिकों में नाराजगी देखी जा रही है, जिससे बैठक में हंगामे की प्रबल संभावना है। सूत्रों के अनुसार, निगम के अधिकारी टैक्स को कम करने के पक्ष में नहीं हैं, जबकि अधिकांश पार्षद इस वृद्धि के खिलाफ हैं। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद यह बैठक हो रही है। पार्षदों का स्पष्ट कहना है कि हाउस टैक्स में की गई बढ़ोतरी को रद किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने निर्णय में यह स्पष्ट नहीं किया कि हाउस टैक्स कितना बढ़ाया जाना चाहिए, केवल बताया गया कि प्रक्रिया सही थी। इस स्थिति में, जिस प्रक्रिया के तहत हाउस टैक्स की बढ़ोतरी की गई, उसी के तहत टैक्स को कम करने की संभावना भी है। वर्तमान में समय पर टैक्स जमा करने पर 20 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है, जिसमें एक या दो नई शर्तों के साथ अतिरिक्त छूट का प्रस्ताव रखा जा सकता है।

हाउस टैक्स बढ़ोतरी के विरोध में अनशन जारी

गाजियाबाद : हाउस टैक्स की दर में की गई बढ़ोतरी के विरोध में गाजियाबाद उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अवधेश शर्मा ने शुक्रवार को भी आमरण अनशन जारी रखा। उन्होंने बताया कि उन पर पुलिस और प्रशासन ने आमरण अनशन को समाप्त करने का दबाव बनाया गया। जब तक हाउस टैक्स में की गई बढ़ोतरी का फैसला वापस नहीं लिया जाता है तब तक वह आमरण अनशन जारी रखेंगे।

पूर्व मेयर ने टैक्स में मांगी छूट

पूर्व मेयर आशु कुमार वर्मा ने नगर निगम को पत्र लिखा है, जिसमें उल्लेख किया कि उन्होंने अपने मकान का वित्तीय वर्ष 2025-26 का बढ़ा हुआ हाउस टैक्स जमा कर दिया है। अनुरोध किया कि पुराने आवासीय भवनों को मिलने वाली छूट का लाभ लोगों को दिया जाए। उनके अनुसार यदि कोई आवासीय भवन 10 वर्ष से अधिक पुराना है तो हाउस टैक्स में 32.5 प्रतिशत छूट का प्रविधान है।

आपत्ति-दावे का समय हुआ खत्म, नाम जुड़वाने के लिए 2.23 लाख ने भरा फार्म

जिले में सात लाख से अधिक मतदाताओं को एसआइआर के पहले चरण के बाद नोटिस जारी किए गए हैं

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद : चुनाव आयोग के निर्देशानुसार प्रदेश में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची का एसआइआर किया जा रहा है। एसआइआर के पहले चरण को पूरा करते हुए जिला प्रशासन ने अनंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया और इस पर दावे एवं आपत्ति दर्ज कराने के लिए छह मार्च तक का समय निर्धारित किया था। शुक्रवार दोपहर तक जिले की सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में कुल 2,23,696 मतदाताओं ने मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए फार्म संख्या छह भरकर जमा किया है। विदेश में रहने वाले 122 भारतीय नागरिकों ने, जिनके पास किसी अन्य देश की नागरिकता नहीं है, फार्म संख्या छह ए भरकर जमा किया है। मतदाता सूची में नाम और पते में संशोधन एवं गलत नाम कटवाने के लिए 7,126 मतदाताओं ने फार्म संख्या सात और 68,469 मतदाताओं ने फार्म संख्या आठ भरकर जमा किया है। इस प्रकार, कुल 2,99,463 मतदाताओं ने दावे और आपत्ति के लिए फार्म भरे हैं।

एसआइआर की प्रक्रिया के दौरान 2003 की मतदाता सूची को आधार बनाया गया था। इसके तहत मतदाताओं को एसआइआर फार्म दिए गए, जिन्हें भरकर जमा किया गया। छह जनवरी को अनंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। इसके बाद दावे और आपत्ति के लिए समय सीमा को पहले छह फरवरी तक और फिर चुनाव आयोग द्वारा छह मार्च तक बढ़ा दिया गया। अनंतिम सूची के प्रकाशन के बाद जिले में मतदाताओं की संख्या 28.37 लाख से घटकर 20.19 लाख रह गई थी। जिन मतदाताओं का नाम सूची में शामिल नहीं था, उन्होंने फार्म भरकर जमा किए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट ने बताया कि जिले में सात लाख से अधिक मतदाताओं को एसआइआर के पहले चरण के बाद नोटिस जारी किए गए हैं, जिनकी सुनवाई 27 मार्च तक होगी। सभी नोटिसों की सुनवाई के बाद 10 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कियाजाएगा।

पहली बार मिक्स लैंड यूज भूखंडों की 18 मार्च को होगी नीलामी

मधुबन बापूधाम

- मधुबन बापूधाम योजना में मिक्स लैंड यूज भूखंड खरीदने का अवसर
- आकार एक हजार वर्ग मीटर से लेकर 20 हजार वर्ग मीटर तक है

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद : प्राधिकरण की मधुबन बापूधाम योजना में पहली बार मिक्स लैंड यूज भूखंड खरीदने का अवसर उपलब्ध है। इसके साथ ही ग्रुप हाउसिंग, होटल, हाईस्कूल और अन्य व्यावसायिक भूखंड भी नीलामी के लिए रखे गए हैं। इच्छुक खरीदार 13 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं।

मधुबन बापूधाम योजना में 18 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित पांच मिक्स लैंड यूज भूखंड पहली बार बिक्री के लिए शामिल किए गए हैं। इन भूखंडों को खरीदने के बाद खरीदार प्राधिकरण से नक्शा स्वीकृत कराकर आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर सकेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इन भूखंडों की बिक्री के बाद अन्य मिक्स लैंड यूज भूखंड भी चरणबद्ध तरीके से बेचे जाएंगे। नीलामी में कुल 15 बड़े भूखंड शामिल किए गए हैं, जिनमें चार ग्रुप हाउसिंग, तीन होटल और दो व्यावसायिक भूखंड हैं। इनका आकार एक हजार वर्ग मीटर से लेकर 20 हजार वर्ग मीटर तक है। इसके अलावा पाकेट ए, बी और सी में हाईस्कूल और अन्य सुविधाओं के लिए करीब 10 भूखंड भी शामिल किए गए हैं, जिनका आकार एक हजार से छह हजार वर्ग मीटर तक है। जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि खरीदारों को रिजर्व प्राइस से अधिक बोली लगानी होगी और किसी भी भूखंड पर एकल बोली नहीं लगा सकेंगे। पिछले वर्ष विभिन्न योजनाओं में भूखंडों की बिक्री से प्राधिकरण को करीब 288 करोड़ रुपये की आय हुई है।

डीएनडी के 25 वर्ष पूरे, बढ़ते यातायात को संभालने की तैयारी

साक्षात्कार

दिल्ली और नोएडा को जोड़ने वाले डीएनडी (दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट) फ्लाइवे 25 वर्ष पूरे कर चुका है। पीपीपी माडल पर यह देश का पहला और सफल प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट एनसीआर की तेजी से बढ़ती आबादी और आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। न्यायालय के आदेश पर यहां टोल बंद होने के बाद भी निर्माता कंपनी एनटीबीसीएल (नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड) ने यहां रखरखाव जारी रखा। यह फ्लाइवे सिग्नल-फ्री, तेज और सुरक्षित यात्रा के लिए खास है। डीएनडी के इतिहास और भविष्य की कार्ययोजना पर एनटीबीसीएल के कार्यकारी निदेशक धीरज कुमार से दैनिक जागरण संवाददाता ने बातचीत की। पेश है बातचीत के अंश...

धीरज कुमार, कार्यकारी निदेशक

• डीएनडी को 25 वर्ष पहले के वाहनों की संख्या के लिए बनाया गया। यह उस पर कितना खरा उतरा है?

-डीएनडी का प्रस्ताव 25 वर्ष पूर्व करीब 50 हजार वाहनों के लिए तैयार हुआ। कंपनी ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए फ्लाइवे को दोगुनी क्षमता का बनाया। डीएनडी को एक्सप्रेसवे और कई क्षेत्रों से जोड़ने के लिए लूप बनाए गए। यहां यातायात प्रभावित होता है। नोएडा प्राधिकरण यहां रुकने वाले यातायात के लिए हमसे प्रस्ताव मांगता है या खुद देता है तो उसके लिए भी हम तैयार हैं।

• डीएनडी फ्लाईवे की शुरुआत कैसे हुई? पीपीपी माडल का कारण क्या रहा?

-डीएनडी बनने से पहले नोएडा से दिल्ली के दो रास्ते थे। एक योजना तैयार हुई क्यों ना यमुना के ऊपर एक लिंक रोड बनाया जाए। इसमें आइएलएंडएफएस, यूपी और दिल्ली सरकार शामिल थे। आइएलएंडएफएस ने एनटीबीसीएल को फंड दिया।

•यहां से डेली गुजरने वालों के लिए सुधार का क्या प्लान है?

-कंपनी की एसओपी है कि कोई गड्ढा सड़क पर है तो 24 घंटों के भीतर उसको भरा जाए। कंट्रोल रूम और एम्बुलेंस सहायता वाहन सवारों को बिना देरी के सातों दिन 24 घंटे मिले यही हमारी प्राथमिकता है।

• टोल बंद होने के बाद सबसे बड़ी चुनौतियां क्या आईं?

-डीएनडी पर 90 प्रतिशत राजस्व टोल से मिलता था। न्यायालय के आदेश पर यह बंद हो गया।

•बिना टोल के मेंटेनेंस कैसे मैनेज हो रहा है? भविष्य में 100 करोड़ के स्ट्रक्चरल वर्क के लिए प्लान क्या है?

-कंपनी बोर्ड के साथ सेफ्टी आडिट कर पूरा सर्वे कराने का कार्य कर रही है। फिर असल खर्चे का पता चलेगा। यूपी और दिल्ली सरकार से कंपनी का अनुबंध हैं। जरूरत पड़ने पर वित्तीय सहायता मांग सकते हैं।

अधिकारी बनने की ट्रेनिंग करते-करते बन गए यूपीएससी टापर

दानिक्स की ट्रेनिंग के दौरान अनुज अग्निहोत्री ने की परीक्षा की तैयारी, कहा-अनुशासन में रहते हैं और खुद पर विश्वास है, तो जीत सकते हैं दुनिया

शुजाउद्दीन • जागरण

पूर्वी दिल्ली: 'सपने वो नहीं होते जो नींद में आते हैं, सपने वो होते हैं जो आपको सोने नहीं देते।' 2023 की सिविल सर्विसेज की परीक्षा में मुख्य सूची में आने से चूके अनुज अग्निहोत्री को उनके सपनों ने सोने नहीं दिया। दानिक्स (दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह नागरिक सेवा) अधिकारी के रूप में चयन तो हुआ, लेकिन मनमुताबिक रैंक न होने का मलाल जरूर था। यूनियन टेरिटरीज सिविल सर्विसेज (यूटीसीएस) के कड़कड़डूमा कैंपस में दानिक्स की ट्रेनिंग भी की और अनुशासन के साथ अगली परीक्षा की तैयारी भी की। बस शुक्रवार को जो परिणाम आया उसने अनुज अग्निहोत्री के सपने को पूरा कर दिया। दानिक्स की ट्रेनिंग करते-करते वह यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) मुख्य परीक्षा के टापर बन गए। अनुज ने कहा कि यदि आप अनुशासन में रहते हैं और खुद पर विश्वास है तो दुनिया जीत सकते हैं।

कोटा के पास छोटे से कस्बे रावतभाटा निवासी अनुज अग्निहोत्री बीते करीब दो साल से कड़कड़डूमा स्थित कैंपस में ट्रेनिंग कर रहे हैं। दैनिक जागरण से फोन पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि जब बचपन में वह लोगों को बीमार देखते थे तो डाक्टर बनने का सपना मन में आता था।

2023 में वह सपना पूरा भी हुआ, जब जोधपुर एम्स से एमबीबीएस पूरी की। हालांकि एमबीबीएस करने के दौरान मरीजों को देखते हुए उनके मन में ख्याल आया कि अगर लोगों की सेवा करनी है, तो डाक्टर से ज्यादा बेहतर आइएएस बनना होगा। बस इसी दौरान 2023 में पहली बार सिविल सर्विसेज की परीक्षा दी, लेकिन कटआफ से थोड़ा दूर रह गए। उन्हें रिजर्व सूची में 52वीं रैंक मिली और बाद में दानिक्स अधिकारी के रूप में उनका चयन भी हो गया।

अनुज ने बताया कि एम्स में एमबीबीएस करने के दौरान ही उन्होंने यह ठान लिया था कि आइएएस बनकर लोगों की सेवा करनी है। जब वर्ष 2023 में लक्ष्य से कुछ पीछे रह गए, तो मन में मलाल रहा। इसके बाद दानिक्स की ट्रेनिंग के दौरान ही रूम में पांच-छह घंटे पढ़ाई करते थे। अनुज ने बताया कि वह विराट कोहली से प्रेरणा लेते हैं। जब पूरे देश को लगा कि अब कोहली रिटायर होंगे तो उन्होंने ऐसा प्रदर्शन किया जिससे पूरी दुनिया दोबारा उनकी फैन हो गई।

यूपीएससी में सफलता मिलने पर अनुज अग्निहोत्री परिवार के साथ • सौः इंटरनेट मीडिया

'आज लगा, भगवान ने लिफ्ट करा दी'

अनुज ने बताया कि वर्ष 2017 की एम्स की आल इंडिया मेडिकल की परीक्षा में उनकी 215 रैंक आई थी। वह उससे खुश नहीं थे। इसके बाद 2023 में यूपीएससी की रिजर्व सूची में रहे तो उनका मन करता था कि भगवान से कहें कि मुझको भी तो लिफ्ट करा दे। अब मनमुताबिक रिजल्ट आया तो लग रहा है कि भगवान ने लिफ्ट करा दिया।

अनुज के पिता केबी अग्निहोत्री रावतभाटा परमाणु संयत्र में कार्यरत हैं और उनकी मां मंजू गृहिणी हैं। पिता ने बेटे की सफलता पर कहा कि यह सब अनुज की मेहनत है। वह पढ़ाई में शुरू से होशियार था, उन्हें उम्मीद थी कि वह जहां जाएगा टाप ही करेगा। मां मंजू ने कहा कि दिल्ली जाने पर वे चिंतित रहती थीं, लेकिन आज उसको सफलता मिलने पर बहुत खुश हैं।

उज्ज्वल ने असफलता को बना लिया सफलता के लिए मंत्र

उज्जवल • सौ -स्वयं

मूलरूप से हरियाणा के भिवाड़ी के धनाना गांव के रहने वाले उज्ज्वल ने यह साबित कर दिया है जीवन में असफल होने पर किस्मत को दोष देने से कुछ नहीं होता है। मेहनत करने पर सफलता कदम चूमती है। उज्ज्वल ने दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से बीटेक किया हुआ है। इनके पिता प्रदीप दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर हैं। वह मौजूदा वक्त में हर्ष विहार थानाध्यक्ष हैं। प्रदीप के परिवार में पहली बार किसी ने यूपीएससी में सफलता हासिल की है। उज्ज्वल ने कहा कि वह तीन बार से यूपीएससी की परीक्षा दे रहे हैं। इस बार उन्हें सफलता मिली है। दो बार असफल होने पर उन्होंने पढ़ाई छोड़ी नहीं। बिना कोचिंग लिए वह खुद तैयारी करते रहे। उनकी मेहनत कामयाब हुई और तीसरी बार में उनकी 174वीं रैंक आई। इससे पूरे परिवार में खुशी है।

सिविल इंजीनियर ने यूपीएससी में हासिल की 565वीं रैंक

प्रशांत कटियार•

सिविल इंजीनियर प्रशांत कटियार यमुनापार में राधेश्याम पार्क एक्सटेंशन में अपनी बहन के घर में रहते हैं। उनकी दो बहनें शिवांगी कटियार व दीक्षा कटियार और जीजा तलविंदर दिल्ली पुलिस में एसआइ हैं। वर्ष 2024 में आइआइटी दिल्ली से प्रशांत ने सिविल इंजीनियरिंग की है। देश सेवा के लिए उन्होंने सिविल सर्विसेज को चुना। इंजीनियरिंग करते ही वह यूपीएससी की तैयारी में जुट गए थे। प्रशांत ने कहा कि बिना कोचिंग लिए उन्होंने यूपीएससी में 565वीं रैंक हासिल की है। उन्होंने टाइमटेबल बनाकर पढ़ाई की। घर वालों ने उनका पूरा साथ दिया। तब जाकर वह इस मुकाम पर पहुंचे।

एक कमरे का घर कभी नहीं बना सपनों को सच करने में बाधा

प्रीति चौहान •

नोएडा सेक्टर 82 की प्रीति चौहान को देश में 47वीं रैंक मिली है। प्रीति चौहान ने बताया कि यह उनका दूसरा प्रयास था। ग्रेजुएशन करने के साथ यूपीएससी की तैयारी भी करती रहीं। पिता राजेंद्र सिंह प्राइवेट नौकरी करते हैं। मां मधुबाला सिंह गृहिणी हैं। प्रीति बताती हैं कि उनका घर एक कमरे का है, लेकिन इसे उन्होंने अपनी तैयारी में बाधा नहीं बनने दिया। प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी भी खुद ही की थी।

सेवानिवृत्त हवलदार के बेटे की यूपीएससी में आई 643वीं रैंक

शुभम कुमार • स्वयं

शुभम कुमार मूलरूप से बिहार के गया के रहने वाले हैं। उनके पिता आर्मी से शंभु शर्मा हवलदार के पद से सेवानिवृत्त हैं। शुभम ने महाराजा अग्रसेन कालेज से पालिटिकल साइंस से बीए किया है। शुभम परिवार के साथ पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर में किराये पर रहते हैं। शुभम की यूपीएससी में 643वीं रैंक आई है। उन्होंने कहा कि तीसरी बार में उन्हें सफलता मिली है। उनके पिता गांव में रहना चाहते हैं। वह उनकी पढ़ाई की वजह से दिल्ली में किराये पर रहे। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर संजीव तिवारी को दिया। उन्होंने कहा कोचिंग की जगह उन्होंने यूपीएससी टापर्स के नोट्स का इस्तेमाल किया।

शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाना चाहते हैं 69वीं रैंक पाने वाले अनुज पंत

गाजियाबाद जिले के नंदग्राम के रहने वाले अनुज पंत ने यूपीएससी की सीएसई में आल इंडिया 69वीं रैंक हासिल की है। अनुज 2024 में आइपीएस बने थे। इसके बाद भी बेहतर रैंक के लिए प्रयास जारी रखा। वह शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए कार्य करना चाहते हैं। अनुज के पिता दिनेश पंत एक निजी कंपनी से सेवानिवृत्त हैं और मां मीना पंत गृहणी हैं। अनुज ने राजनगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर से पढ़ाई की है और दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक किया। 2022 से उन्होंने सिविल सर्विस की तैयारी करनी शुरू की। पहले प्रयास में वह साक्षात्कार में रह गए थे। दूसरे प्रयास में आइपीएस बने। अब तीसरे प्रयास में बेहतर रैंक हासिल कर आइएएस बने हैं। अनुज ने बिना किसी कोचिंग की मदद के खुद पढ़ाई की है।

तीसरे प्रयास में गाजियाबाद के रहने वाले गर्व ने पाई 192वीं रैंक

गाजियाबाद जिले के मालीवाड़ा के रहने वाले गर्व गर्ग ने यूपीएससी की सीएसई में आल इंडिया 192 रैंक हासिल की है। यह उनका तीसरा प्रयास था। गर्व के पिता संजय गर्ग व्यावसायी हैं और मां निशा हाउस वाइफ हैं। दिल्ली पब्लिक स्कूल गाजियाबाद से उन्होंने 97.75 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं की। उन्होंने हिंदू कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय से हिस्ट्री और पालीटिकल साइंस विषयों के साथ स्नातक किया। 2023 में पहले प्रयास में प्री-परीक्षा में सफल हुए। 2024 में वह असफल रहे। तीसरे प्रयास में उन्हें शानदार सफलता मिली। उनका कहना है कि इंटरनेट मीडिया का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो वहां से काफी कुछ जानकारी मिलती है।

एसीपी अपूर्वा वर्मा ने हासिल की 42वीं रैंक

अपूर्वा वर्मा •

जासं, दक्षिणी दिल्ली: पुलिस की ड्यूटी अपने आप में ही बड़ी चुनौती है। हमेशा मुस्तैद रहना होता है। ऐसे में पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर पाना बड़ा मुश्किल है। इसका तोड़ निकालते हुए आनलाइन पहले से बने-बनाए और उपलब्ध मैटेरियल पर फोकस किया। तैयारी में पुराने नोट्स भी काम आए। यह कहना है यूपीएससी परीक्षा में 42वीं रैंक हासिल करने वाली दक्षिणी दिल्ली सीआर पार्क की एसीपी अपूर्वा वर्मा का। अपूर्वा नरकटियागंज के सुगौली गांव निवासी व टीपी वर्मा महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य स्व. रिपुसूदन प्रसाद वर्मा की पौत्री हैं। उनका लक्ष्य शुरू से ही आइएएस बनना था। इसी संकल्प से नौकरी करते हुए भी निरंतर तैयारी करती रहीं और आखिरकार इस वर्ष यूपीएससी में 42वां रैंक हासिल कर कर लिया है। अपूर्वा के पिता अजीत कुमार वर्मा बोकारो में इंजीनियर हैं। अपूर्वा ने एनआइटी से इंजीनियरिंग करने के बाद सिविल सेवा की तैयारी शुरू की।

पिता करते थे वेल्डिंग, बेटा यूपीएससी में हुआ सफल

कर्ण सिंह •

जास. नारनौल: नारनौल के माली टिब्बा के कहने वाले कर्ण सिंह ने 750 वां रैंक हासिल कर यूपीएससी में सफलता हासिल की है। उनके पिता रमेश चंद वेल्डिंग का कार्य करते थे अपने बेटे को सफलता की ऊंचाइयों तक देखने का उनका सपना बेटे ने साकार कर दिखाया है। कर्ण ने कभी किसी कोचिंग का सहारा नहीं लिया। उन्होंने दिल्ली के हिंदू कालेज से वर्ष 2021 में स्नातक पास किया था और तभी से यूपीएससी की तैयारी कर रहे थे।

यूपीएससी में शीर्ष पांच में से तीन पर दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

लोकेश शर्मा • जागरण

- दिल्ली विश्वविद्यालय के 25 विद्यार्थियों ने यूपीएससी परीक्षा में मारी बाजी
- डीयू से बीकाम स्नातक कर रहे आकांश ढुल ने हासिल की है तीसरी रैंक

नई दिल्ली: संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा 2025 के परिणाम में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष पांच में से तीन स्थानों पर कब्जा जमाया है। डीयू से बीकाम स्नातक कर रहे आकांश ढुल ने अखिल भारतीय स्तर पर तीसरी रैंक हासिल की है। वहीं, डीयू से बीए (आनर्स) अर्थशास्त्र की पढ़ाई करने वाले राघव झुनझुनवाला ने चौथी रैंक प्राप्त की है। ईशान भटनागर ने पांचवीं रैंक हासिल की है। उन्होंने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय से बीए एलएलबी (आनर्स) की पढ़ाई की है। कुल मिलाकर डीयू के 25 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में बाजी मारी है। इनमें कुछ पूर्व छात्र भी शामिल हैं। डीयू से जुड़ी मिरांडा हाउस की छात्रा आस्था जैन ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नौवीं रैंक प्राप्त की है। किरोड़ी मल कालेज के हसन खान ने 95, दयाल सिंह कालेज के लक्ष्य अग्रवाल ने 164, रामजस कालेज की इतिहास (आनर्स) की छात्रा वैष्णवी (2023 बैच) ने 298, दीन दयाल उपाध्याय कालेज की अंशिका ने 330, इसी कालेज के अमन कांपियाल ने 362वीं रैंक प्राप्त की है। महाराजा अग्रसेन कालेज के शुभम कुमार ने 643वीं रैंक हासिल की। हिंदू कालेज के 2021-24 बैच के अर्पित ऋतुराज ने 857वीं रैंक हासिल की है। जानकी देवी मेमोरियल रामजस कालेज के बीएससी आनर्स गणित के छात्र अनिकेत रंजन ने 48वीं रैंक, लेडी श्रीराम कालेज की बीए (आनर्स) अर्थशास्त्र की छात्रा देव्यांशी कौर ने 71वीं, दयाल सिंह कालेज के छात्र उत्कर्ष ने 32वीं, श्रीराम कालेज आफ कामर्स के बीकाम (आनर्स) के छात्र दीपांशु जिंदल ने 38वीं, किरोड़ीमल कालेज के बीएससी फिजिकल साइंस के छात्र राज सिंह ने 729वीं, हिंदू कालेज के छात्र अमन मेहरोत्रा ने 571 वीं, मिरांडा हाउस की छात्रा सोनाली झा ने 89वीं एसआरसीसी की ही छात्रा पारुल गर्ग ने 639वीं हासिल की। गार्गी कालेज की बीएससी आनर्स केमिस्ट्री की छात्रा प्रीति ने 47वीं रैंक प्राप्त की है। दिल्ली कालेज आफ आर्ट्स एंड कामर्स के छात्र चितवान जैन ने 17वीं रैंक पाई।

डीएनडी के 25 वर्ष पूरे, अब बढ़ते यातायात को संभालने की भी तैयारी

साक्षात्कार

दिल्ली और नोएडा को जोड़ने वाले डीएनडी (दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट) फ्लाइवे 25 वर्ष पूरे कर चुका है। पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) माडल पर यह देश का पहला और सफल प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट एनसीआर की तेजी से बढ़ती आबादी और आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। न्यायालय के आदेश पर यहां टोल बंद होने के बाद भी निर्माता कंपनी एनटीबीसीएल (नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड) ने यहां रखरखाव जारी रखा। यह फ्लाइवे सिग्नल-फ्री, तेज और सुरक्षित यात्रा के लिए खास है। रोजाना करीब 2.5 लाख लोग एक लाख से अधिक वाहनों से गुजरते हैं। ऐसे में यातायात संभालना बड़ी चुनौती है। डीएनडी के इतिहास और भविष्य की कार्ययोजना पर एनटीबीसीएल के कार्यकारी निदेशक **धीरज कुमार** से दैनिक जागरण संवाददाता ने बातचीत की। पेश है बातचीत के कुछ प्रमुख अंश...

एनटीबीसीएल के कार्यकारी निदेशक धीरज कुमार •

• डीएनडी को 25 वर्ष पहले के वाहनों की संख्या के लिए बनाया गया। यह उस पर कितना खरा उतरा है? अब यहां बढ़ रहे यातायात के लिए क्या योजना है?

-डीएनडी का प्रस्ताव 25 वर्ष पूर्व करीब 50 हजार वाहनों के लिए तैयार हुआ। कंपनी ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए फ्लाइवे को दोगुनी क्षमता का बनाया। इसका लाभ अभी भी बाद भी मिल रहा है। डीएनडी को एक्सप्रेसवे और कई क्षेत्रों से जोड़ने के लिए लूप बनाए गए। यहां यातायात प्रभावित होता है। नोएडा प्राधिकरण यहां रुकने वाले यातायात के लिए हमसे प्रस्ताव मांगता है या खुद देता है तो उसके लिए भी हम तैयार हैं। आवश्यकता अनुसार लूप को जोडने के लिए अतिरक्त लेन की जरूरत होंगी तो बनाई जाएंगी।

• डीएनडी फ्लाईवे की शुरुआत कैसे हुई? पीपीपी माडल चुनने का कारण क्या रहा?

डीएनडी बनने से पहले नोएडा से दिल्ली के दो रास्ते थे। एक योजना तैयार हुई क्यों ना यमुना के ऊपर एक लिंक रोड बनाया जाए। इसमें आइएलएंडएफएस, यूपी और दिल्ली सरकार शामिल थे। आइएलएंडएफएस ने एनटीबीसीएल को फंड दिया। जापान की कंपनी इससे जुड़ी।

• यहां से डेली गुजरने वालों के लिए सुधार का क्या प्लान है? सेफ्टी और इंटीग्रेशन पर भविष्य की योजना क्या है?

हमारा उद्देश्य ही सड़क से गुजरने वालों को सुगम और सुरक्षित सफर मुहैया करवाना है। कंपनी की एसओपी है कि कोई गड्ढा सड़क पर है तो 24 घंटों के भीतर उसको भरा जाए। कंट्रोल रूम और एम्बुलेंस सहायता वाहन सवारों को बिना देरी के सातों दिन 24 घंटे मिले यही हमारी प्राथमिकता है।

• टोल बंद होने के बाद सबसे बड़ी चुनौतियां क्या आईं?

-डीएनडी पर 90 प्रतिशत राजस्व टोल से मिलता था। न्यायालय के आदेश पर यह बंद हो गया।

बीएड, एमएड के परीक्षा फार्म भरने की समय सीमा 30 तक बढ़ी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के लिए परीक्षा फार्म भरने संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी नोटिस के अनुसार सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, बीएलएड, बीएड और एमएड पाठ्यक्रमों के छात्रों को निर्धारित समय सीमा के भीतर आनलाइन परीक्षा फार्म भरना होगा।

विश्वविद्यालय के अनुसार सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं मार्च-अप्रैल, जबकि बीएलएड, बीएड और एमएड के वार्षिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं मई-जून में प्रस्तावित हैं। छात्रों को परीक्षा फार्म भरने के लिए 30 मार्च तक का समय दिया गया है। बीएलएड, बीएड और एमएड पाठ्यक्रमों के लिए अंतिम तिथि 30 मार्च रात 11:55 बजे तक निर्धारित की गई है। अन्य पाठ्यक्रमों के लिए 30 मार्च शाम 5:30 बजे तक फार्म भरे जा सकेंगे। इससे पहले 27 फरवरी आखिरी तारीख थी, जिसे छात्रों के हितों के लिए बढ़ाया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि छात्रों को परीक्षा फार्म दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र पोर्टल के माध्यम से आनलाइन भरना होगा। इसके साथ ही परीक्षा शुल्क भी संबंधित कालेज या विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए लिंक के माध्यम से आनलाइन जमा करना अनिवार्य होगा।

महिला उद्यमियों आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में स्वदेशी हाट मददगार : सत्या

- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर सिविल सेंटर में स्वदेशी हाट का हुआ आयोजन
- स्वयं सहायता समूहों व एनजीओ से जुड़ी महिलाओं ने स्वदेशी हाट में अपने उत्पाद प्रदर्शित किए

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के उपलक्ष्य पर दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय सिविक सेंटर में शुक्रवार को स्वदेशी हाट का आयोजन किया गया। यह आयोजन महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति की तरफ से आयोजित किया गया।

यहां स्वयं सहायता समूहों व स्वयंसेवी संस्थाओं से जुड़ी महिलाओं ने स्टाल लगाकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। इन स्टालों पर बनारसी साड़ियां, वस्त्र, परफ्यूम, बैग, ज्वेलरी, बेकरी उत्पाद, हस्तनिर्मित वस्तुएं व अन्य स्वदेशी उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। महिला उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए इन उत्पादों को लोगों ने काफी सराहा और जमकर खरीदारी भी की। इस मौके पर स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि ऐसे मंच महिला उद्यमियों के हुनर को सम्मान दिलाने का कार्य करते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने में मदद मिलती है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि महिलाओं के योगदान, उनकी मेहनत और आत्मनिर्भरता को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर है। स्वदेशी हाट जैसे कार्यक्रम महिलाओं के कौशल को सम्मान दिलाते हैं। इस मौके पर महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति की अध्यक्ष रेखा रानी ने कहा कि स्वदेशी हाट का उद्देश्य महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना है।

निगम मुख्यालय में आयोजित स्वदेशी हाट कार्यक्रम के दौरान स्टाल पर हस्त निर्मित उत्पादों को देखतीं स्थायी समिति की अध्यक्षा सत्या शर्मा व अन्य • सौजन्यः एमसीडी

अवैध रूप से रह रहे पांच नाइजीरियाई नागरिक निर्वासित

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली: द्वारका जिला पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। फरवरी के महीने में, जिला पुलिस ने प्रभावी कदम उठाते हुए नाइजीरियाई मूल के पांच नागरिकों को पकड़ा, जिन्हें बाद में उनके देश वापस भेजने (निर्वासन) की प्रक्रिया पूरी की गई।

द्वारका जिले के आपरेशन यूनिट और विभिन्न थानों का स्टाफ लगातार ऐसे विदेशी नागरिकों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रहा है, जो भारत में बिना वैध वीजा के रह रहे हैं। उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि यह अभियान संसाधनों के अवैध दोहन और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने क्षेत्र में औचक निरीक्षण और दस्तावेजों की जांच की, जिसके बाद उत्तम नगर पुलिस टीम ने तीन नाइजीरियाई नागरिकों को पकड़ा, जिन्हें डिपोर्ट कर दिया गया है। एंटी-नारकोटिक्स सेल ने दो नाइजीरियाई नागरिकों को पकड़ा, जिन्हें उनके देश वापसी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एआइ समिट के समय बने फाउंटेन को तोड़ने वालों का नहीं मिला सुराग

निजामुद्दीन के लोधी रोड रेड लाइट के पास पार्क में टूटा पड़ा फाउंटेन • सौ. सुधी पाठक

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: मथुरा रोड पर निजामुद्दीन से लोधी रोड लाल बत्ती के पास स्थित तिकोने पार्क में एआइ समिट के दौरान हुए सुंदरीकरण कार्य को नुकसान पहुंचाने वालों का एक पखवाड़े बाद भी सुराग नहीं मिल पाया है। 20 फरवरी को यहां लगाई गई लाइट, नये फाउंटेन व अन्य सजावट को तोड़ दिया गया था। 21 फरवरी की सुबह इसका पता चलने पर एमसीडी ने निजामुद्दीन थाने में एफआइआर दर्ज कराई थी।

शिकायत के मुताबिक, एमसीडी ने निजामुद्दीन बस्ती के पास मल्टीलेवल पार्किंग के सामने तिकोना पार्क में डेढ़ लाख रुपये की लागत से फाउंटेन व अन्य सुंदरीकरण के कार्य करवाए थे। इस प्रोजेक्ट के तहत भारत मंडपम, हुमायूं का मकबरा और लोधी होटल में बाउंड्री वाल, पेडस्टल, लैंडस्केपिंग व अन्य सुंदरीकरण के कार्य करवाए गए थे।

तिकोना पार्क में फव्वारा लगाने के साथ इसके आसपास विशेष प्रकार की घास लगाने से यह बहुत आकर्षक हो गया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपितों की पहचान के लिए आसपास रहने वाले कुछ संदिग्धों से पूछताछ की गई है। वहीं, एमसीडी का कहना है कि पुलिस जांच पूरी होने के बाद फव्वारे की मरम्मत करवाई जाएगी।

गरीब व जरूरतमंदों की पीड़ा का एहसास कराता है रमजान

रोजा वास्तव में एक महीने का एक ऐसा प्रशिक्षण है जिसका प्रभाव पूरे वर्ष रहता है। रोजा इस्लामी कानून की ऐसी धारा है जिसके लागू होते ही इंसान हर तरह की बुराई, झूठ, छल, कपट से रुक जाता है। रोजा सुबह से शाम तक मात्र भूखे और प्यासे रहने का नाम नहीं है। यह पवित्र सामाजिक, वैज्ञानिक और नैतिक अभ्यास भी है। इस अभ्यास के जरिये इंसान को एक साथ कई तत्व समझाना और बहुआयामी तजर्बों से गुजरना असल मकसद है। रोजा मूलतः रमजान के महीने में रखा जाता है। रमजान का मूल शब्द रमज है। रमज का अर्थ है रुक जाना। रोजे में इंसान जिस प्रकार खाने पीने से रुक जाता है उसी प्रकार बुराइयों से भी रुक जाता है। रोजा रख कर जिन शारीरिक, व्यवहारिक कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है वास्तव में इंसान को उस से यही आभास कराना होता है कि समाज के जिस वंचित वर्ग के पास खाने पीने और तुम्हारे जैसी सुविधाएं नहीं हैं उन्हें किस कष्ट से गुजरना पड़ता है। जब उनकी पीड़ा का व्यवहारिक तजर्बा होगा तभी उन से हमदर्दी पैदा होगी। इस्लाम इस बात पर जोर दिया है कि जो अपने लिए पसंद करो वही दूसरों के लिए भी करो। पड़ोसी का यहां तक ख्याल रखने को कहा गया है कि अगर वह गरीब है तो अपने खाने पीने की चीजों में से उसका हिस्सा भी निकालो।

वदूद साजिद, संपादक, दैनिक इंकिलाब

राजस्थान रीगल्स बने '72 द लीग' के पहले चैंपियन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: कुतुब गोल्फ कोर्स में खेले गए डीपी वर्ल्ड पीजीटीआइ की '72 द लीग' के पहले संस्करण के फाइनल में राजस्थान रीगल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूपी प्रोमेथियंस को 12-3 के बड़े अंतर से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही राजस्थान रीगल्स टूर्नामेंट के पहले चैंपियन बन गए। फाइनल मुकाबले में राजस्थान रीगल्स के खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी।

सिंगल्स मुकाबलों में जयराज सिंह संधू ने शौर्य भट्टाचार्य को चार और तीन से हराया, जबकि अक्षय शर्मा ने अर्जुन प्रसाद को दो और एक से मात दी। टीम की बढ़त को फोरसम्स मुकाबले में आर्यमान मोहन और युवराज सिंह की जोड़ी ने भी मजबूत किया, जिन्होंने जोशुआ सीले और अर्जुन शर्मा की जोड़ी को एक-अप से हराया।

टूर्नामेंट जीतने के साथ राजस्थान रीगल्स को एक करोड़ रुपये की इनामी राशि और विशेष ट्राफी से सम्मानित किया गया, जबकि उपविजेता यूपी प्रोमेथियंस को 50 लाख रुपये मिले। वहीं, प्लेट चैंपियनशिप में चारमीनार चैंपियंस तीसरे स्थान पर रहे। इस टूर्नामेंट को डीपी वर्ल्ड पीजीटीआइ और गेम आफ लाइफ स्पोर्ट्स की तरफसे आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य भारत में गोल्फ को लोकप्रिय बनाना और नए खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना है।

शुक्रवार को कुतुब गोल्फ कोर्स में खेले गए डीपी वर्ल्ड पीजीटीआइ की '72 द लीग' की विजेता टीम के खिलाड़ी जश्न मनाते हुए • पीजीटीआइ

वर्मा बवासीर क्लीनिक
बवासीर बिना आप्रेशन खत्म
हर रोज सुबह 10.30 से 6 बजे तक
मंगलवार अवकाश
मैन बस स्टैंड, कुतबगढ दिल्ली 39
Ph.: 9868979284

बचपन की गलतियां
हर उम्र में जबरदस्त ताकत व रुकावट
SEX रोगी मिलें
डा.शेख
नई दिल्ली • नोएडा • फरीदाबाद • गुरुग्राम
9837023223